ठाणे - मुंबई
से प्रकाशित
रविवार, 25 मई 2025
वर्ष - 18, अंक-158
मुल्य-2, पृष्ठ-8

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

www.tarunmitra.in

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

संपादक- स्वतंत्र कुमार

e-mail-tarun.thana@gmail.com

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित

केरल में मानसून ने दी दस्तक
तय समय से 8 दिन पहले आगमन

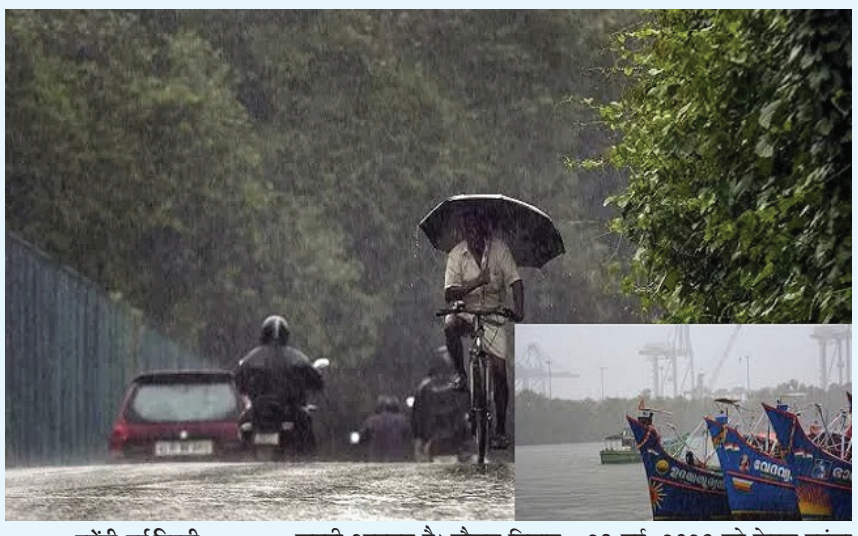

एजेंसी, नई दिल्ली

झमाझम बारिश के साथ मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। भारत की मुख्य भूमि पर पिछले 16 साल में मानसून का सबसे पहले आगमन हुआ है। इस बार अपने तय समय से 8 दिन पहले मानसून ने दस्तक दे दी है, जो 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर इसका सबसे जल्दी आगमन है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की तरफ से शनिवार को जारी बयान में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून केरल पहुंच गया, जो 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर इसका सबसे जल्दी आगमन है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछली बार राज्य में मानसून इतनी जल्दी 2009 और 2001 में आया था, जब यह 23 मई, 2029 को केरल पहुंचा था। देश में मानसून का जल्दी आना आमतौर पर सभी क्षेत्रों के लिए काफी लाभकारी होता है, विशेषकर कृषि क्षेत्र में जो भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून तक केरल में दस्तक देता है, जबकि 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में पीएम ने की अध्यक्षता, ममता रहीं नदारद

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक का प्रमुख एजेंडा था– 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत एट द रेट 2047'। इस अहम बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसमें भाग नहीं लिया, जिससे एक बार फिर केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव की अटकलें तेज हो गई हैं। नीती आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में सभी राज्यों से संविधान की भावना के अनुरूप सहकारी संघवाद को आगे बढ़ाने और साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की यह बैठक विकसित भारत एट द रेट 2047 की अवधारणा को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग पर केंद्रित रही। बैठक में 2025-26 के बजट की प्रमुख पहल, आर्थिक विकास की चुनौतियाँ, और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का असर जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वर्तमान में अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों में आर्थिक सुस्ती के चलते वैश्विक मंदी की आहट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक ने भारत की 2025-26 के लिए विकास दर के अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, नीति आयोग और भारत सरकार का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.2 प्रतिशत से 6.7 प्रतिशत के दायरे में बनी रह सकती है, जो वैश्विक परिस्थितियों की तुलना में बेहतर मानी जा रही है। राज्य सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक से दूरी बनाने का फैसला किया, लेकिन इसके पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की गई है। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने नीति आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं लिया हो। इससे पहले भी कुछ अवसरों पर उन्होंने अपने विरोध या असहमति का संकेत देने के लिए केंद्रीय बैठकों से दूरी बनाई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी 10 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश गवर्निंग काउंसिल की बैठक से अनुपस्थित रहे थे। यह दर्शाता है कि नीति आयोग की बैठकों को लेकर राजनीतिक दलों के रुख में विभिन्नता बनी हुई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन बैठक में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचते ही डीएमके नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्टालिन ने दिल्ली में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मुलाकात की और इसे परिवार के साथ होने जैसा बताया।

ऑपरेशन सिंदूर को सर्वसम्मति से समर्थन

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक में 'विकसित राज्य से विकसित भारत' की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में सभी भागीदार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को पूरी एकता के साथ समर्थन दिया। बैठक के बाद नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में तीन क्षेत्रों कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया और राज्यों से आग्रह किया कि वे इन क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधार और दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और 'अब एक निर्णायक विकास यात्रा पर निकलने का समय है।'

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में फिर मिले कोरोना के दो नए मरीज, घर पर ही किया आइसोलेट

इंदौर । इंदौर में शुक्रवार को कोरोना के फिर दो नए मरीज मिले हैं। दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें घर पर आइसोलेट किया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है। इनमें से एक की केरल की ट्रैवल हिस्ट्री भी मिली है। इन्हें मिलाकर शहर में इस साल अब तक कोरोना के पांच मरीज मिल चुके हैं। इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. बीएस सैत्या ने बताया कि दोनों नए मरीज 30 और 35 वर्ष के युवक हैं।

भारत ने आतंकवाद के खात्मे के संकल्प को रूस में दोहराया

एजेंसी, मॉस्को

भारतीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की नेता डीएमके सांसद कनिमोझी ने रूस के रणनीतिकारों और प्रमुख नेताओं को आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प को दोहराया है। वह प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ कल रूस की राजधानी पहुंचीं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर कुछ फोटो भी साझा किए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, '' हम सबने स्टेट ड्यूमा समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लटस्की और स्टेट ड्यूमा के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान हमने सभी प्रकार के आतंकवाद को समाप्त करने के भारत के अडिग रुख

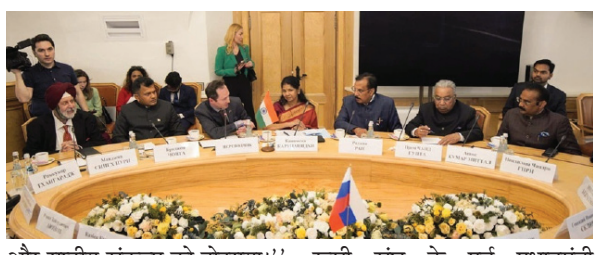

और राष्ट्रीय संकल्प को दोहराया।'' कनिमोझी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रूस की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के उपाध्यक्ष (प्रथम) एंड्री डेनिसोव और अन्य सीनेटरों को भी आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध भारत के एकजुट और दृढ़ रुख से अवगत कराया। डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा, ''हमने रूसी संघ के पूर्व प्रधानमंत्री मिखाइल फ्राडको से भी मुलाकात की। हमने रूस के विचारकों और सांसदों के साथ विचार साझा किए। रूस हमारा महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार और बहुत पुराना सहयोगी है। हमने पहलगाम हमले से पहले, उसके दौरान और उसके बाद जो कुछ हुआ, उसके बारे में विस्तार से बताया है।''

सलमान खान के आवास पर आगंतुकों के प्रवेश के लिए नया प्रोटोकॉल

तरुणमित्र ब्यूरो, मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी आवास में आगंतुकों के प्रवेश के लिए मुंबई पुलिस ने नया प्रोटोकाल जारी किया है। इसके साथ ही सलमान खान की सुरक्षा बढ़ाकर वाई प्लस स्तर कर दी गई है और गैलेक्सी अपार्टमेंट पर पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की ओर से मिली धमकियों और उनके आवास पर एक महिला और एक युवक के जबरन प्रवेश के बाद यह कदम उठाया गया है। सलमान खान के आवास में प्रवेश करने वाले जितेंद्र सिंह और ईशा छाबड़िया फिलहाल न्यायिक कस्टडी में हैं और दोनों से गहन पूछताछ जारी है।

बौद्ध विहार शांति उपवन में प्रशासनिक अनियमितताएं: हाउसकीपिंग सुपरवाइजर पर गंभीर आरोप

तरुणमित्र, मनीष श्रीवास्तव

लखनऊ। बौद्ध विहार शांति उपवन स्मारक समिति में प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों ने विवाद का रूप ले लिया है। हाउसकीपिंग सुपरवाइजर सुश्री संगीता श्रीवास्तव पर आरोप है कि वह विगत 13 वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात हैं। स्थानांतरण नीति के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद उनका तबादला नहीं किया गया, जिससे मुख्य सचिव द्वारा जारी नियमों की अवहेलना की बात सामने आई है। इन आरोपों को लेकर हाईकोर्ट के अधिवक्ता श्री विनोद तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हुए इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। साथ ही, उन्होंने आईजीआरएस (IGRS) पोर्टल पर शिकायत

दर्ज कराई है। अधिवक्ता तिवारी ने आरोप लगाया कि सुश्री श्रीवास्तव अक्सर कार्यालय समय में अपने घर चली जाती हैं, जो कि कार्यालय से केवल 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने निजी आवागमन के लिए एक कर्मचारी को कार्यालय से सम्बद्ध किया है, जिसे कार्यालय के कामों से छूट दी गई है और समय से पहले छुट्टी दी जाती है। आरोप यह भी है कि सुश्री श्रीवास्तव अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ अनुचित और अपमानजनक व्यवहार करती हैं, जिससे कार्यस्थल पर भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। इन गंभीर आरोपों के आधार पर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है। यह मामला शांति उपवन स्मारक के प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े करता है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

माउंट एवरेस्ट फतह कर प्रतिमा ने रचा इतिहास

कोलकाता। दार्जिलिंग की सेंट जोसेफ कॉलेज की एनससी कैडेट प्रतिमा राय ने इतिहास रच दिया है। वह एनसीसी की ओर से माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पश्चिम बंगाल की पहली युवती बन गई हैं। मात्र 21 वर्ष की उम्र में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल कर प्रतिमा ने ना सिर्फ राज्य बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिमा की इस ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने शनिवार दोपहर ट्वीट में लिखा, दार्जिलिंग के सेंट जोसेफ कॉलेज की कैडेट प्रतीमा राय को हार्दिक बधाई।

राहुल ने पुंछ के स्कूल का किया दौरा, गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से की बात

एजेंसी, पुंछ

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पुंछ के एक स्कूल का दौरा किया। उन्होंने पाकिस्तान की सीमा पार से गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से बातचीत की। गांधी ने छात्रों से कहा कि इस समस्या से निपटने का उनका तरीका पढ़ाई और खूब खेलना होना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि आपने खतरा और थोड़ी भयावह स्थिति देखी है, लेकिन चिंता न करें, सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस समस्या से निपटने का आपका तरीका पढ़ाई, खूब खेलना और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाना होना चाहिए। गांधी ने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से गोलाबारी से प्रभावित पुंछ के

नागरिक इलाकों और श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा का भी दौरा किया। उन्होंने अपने दौरे के बारे में एक्स पर पोस्ट भी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि वह लोगों की मांग और मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएंगे। आज मैं पुंछ में पाकिस्तान की गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मिला। टूटे हुए घर, बिखरा हुआ सामान देखा और नम आंखें से अपनों को खोने की दर्दनाक दास्तां सुनी।

कोरोना अलर्ट: दिल्ली-महाराष्ट्र समेत कई राज्य हुए सतर्क

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में एक बार फिर कोविड-19 संक्रमण ने दस्तक दी है। नया वेरिएंट जेएन.1 धीरे-धीरे अपना असर दिखा रहा है। महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों में कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकारें अलर्ट मोड पर हैं। अस्पतालों को ऑक्सीजन, दवाएं, बेड और वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

जानकारी अनुसार महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले बढ़ते दिखे हैं, इसमें भी मुंबई सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में है। शुक्रवार को महाराष्ट्र में कोविड-19 के 45 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 35 अकेले मुंबई से हैं। शेष मामले पुणे (4), कोल्हापुर (2), रायगढ़ (2), ठाणे (1) और लातूर (1) से हैं। जनवरी से अब तक 6,819 सैंपल की जांच की गई, जिनमें 210 पॉजिटिव केस मिले हैं, जिनमें 183 मामले मुंबई से हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राज्य में संक्रमण की रफ्तार धीमी है, लेकिन सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। राजधानी दिल्ली में 23 एक्टिव केस की पुष्टि हुई है। वहीं, गाजियाबाद में 4, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी नए मामले सामने आए हैं। चिंता की बात यह है कि गुरुग्राम में एक मरीज बिना किसी ट्रैवल हिस्ट्री के संक्रमित पाया गया। इसे कम्युनिटी ट्रांसमिशन की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त हरियाणा, गुजरात,

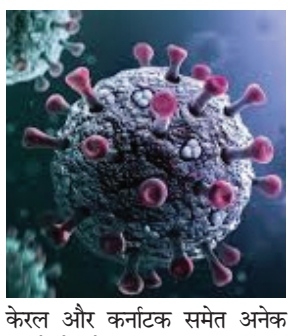

केरल और कर्नाटक समेत अनेक राज्यों में कोविड-19 एक बार फिर पैर पसारने में लगा हुआ है। मुख्य राज्यों के अलावा हरियाणा से 5, गुजरात से 33, उत्तर प्रदेश से 4, कर्नाटक से 16, केरल से 95, तमिलनाडु से 66, पुडुचेरी से 10, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से 1-1 मरीज सामने आए हैं।

ठाणे में कोरोना से 1 मरीज की मौत आज 9 मिले, अब तक 19 पीड़ित

तरुणमित्र ब्यूरो, मुंबई। ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में लगता है कोरोना फिर अपने पैर पसार रहा है।कल ठाणे मनपा परिसर में कोरोना के दस मरीज मिले थे।ये अभी तक निजी अस्पतालों में उपचार कराने का ठाणे महानगर पालिका का दावा है।इसी घटनाक्रम में आज ठाणे महानगर पालिका प्रशासन ने कहा है कि कोरोना से एक व्यक्ति की मौत हुई है।टीएमसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक मरीज के बारे में बताया जाता है- 21 वर्षीय युवक को गंभीर मधुमेह के कारण गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कल रात उसका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया था। आज सुबह उसकी मृत्यु हो गई, यह जानकारी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिरुद्ध मालगांवकर द्वारा दी गई है।उल्लेखनीय है कि कोरोना पीड़ितों की संख्या ठाणे में अब 19तक पहुंच गई है।

मप्र के मंत्री विजय शाह ने तीसरी बार मांगी माफी

भोपाल। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने तीसरी बार माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि 'ये मेरी भाषाई भूल थी। इसके लिए मैं बहन सोफिया कुरैशी और देशवासियों से माफी मांगता हूं। मंत्री विजय शाह ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया है।

'सन ऑफ सरदार' फेम एक्टर मुकुल देव का 54 साल की उम्र में निधन

तरुणमित्र, मुंबई

जाने-माने फिल्म अभिनेता मुकुल देव का निधन हो गया। दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान 54 वर्षीय अभिनेता ने अंतिम सांस ली। कुछ दिनों से उनका आईसीयू में इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि मुकुल देव का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने सोशल मीडिया पर मुकुल देव के निधन की पुष्टि की है। अभिनेता मुकुल देव पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके निधन की खबर सुनकर प्रशंसक अपनी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। मुकुल देव के निधन से फिल्म इंडस्ट्री को झटका लगा है। मुकुल देव ने 1990 के दशक में टेलीविजन धारावाहिक 'मुमकिन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। वह कई धारावाहिकों और वेब सीरीज में भी नजर आए। दर्शकों को उनके द्वारा पर्दे पर निभाए गए कई किरदार बेहद पसंद आए। उन्होंने 'दस्तक', 'यमला पगला दीवाना', 'आर... राजकुमार', 'जय हो' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। मुकुल देव का जन्म नई दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था, जो मूल रूप से जालंधर के पास एक गाँव से थे। उनके पिता हरिदेव सहायक पुलिस आयुक्त थे।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय प्रशानिक सेवा अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहती है-लीला भील

कर्मपालसिंह सवाली

कुंभलगढ़। राजसमंद जिले से खेड़ा का मथारा बड़गांव कुंभलगढ़ की छात्रा लीला भील ने 12 वीं में आर्टस में 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए लीला ने राजनीतिक विज्ञान और हिंदी साहित्य मे इसे 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करके रचा इतिहास। आदिवासी क्षेत्र बालिका की इस उपलब्धि पर स्कूल स्टॉप मैं खुशी जाहिर की है लीला शुरू से ही प्रतिभा शाली स्टूडेंट रही है उन्होंने बताया कि वह आगे जाकर भारतीय प्रशानिक सेवा में जाना चाहती है इस उपलब्धि को अपने माता-पिता स्कूल प्रधानाचार्य सहित स्कूल स्टाफ को इसका श्रेय देती है नियमित पढ़ाई के साथ घर के काम में हाथ बटाती है इनके पिता कालूराम भील एल आई सी में कार्यरत हैं। उसके साथ-साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपना कर्तव्य रहे हैं। सुबह से ही दूरभाष पर बधाईयां देने वालों का तांता लगा रहा।

ममता ने (वाणिज्य वर्ग) 92.00 प्रतिशत एवं अंकिता चौधरी ने (कला वर्ग) 90.80% अंक प्राप्त किया

दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो

पाली, राजस्थान। अड्रोइट नॉलेज सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोडावास (अक्स) कला वर्ग, विज्ञान वर्ग, वाणिज्य वर्ग का परिणाम शत प्रतिशत रहा, जिसमें ममता ने (वाणिज्य वर्ग) 92.00 प्रतिशत 2. अंकिता चौधरी ने (कला वर्ग) 90.80% अंक प्राप्त किया। सभी विद्यार्थीयो को बोर्ड परीक्षा में 70% से अधिक अंक प्राप्त करने पर सभी अध्यापको को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं विद्यालय परिवार ने इनका हार्दिक अभिनंदन करता है।

भाजपा नेता जगदीश प्रजापति के सुपुत्र प्रकाश प्रजापति का आकस्मिक निधन होने पर देसूरी क्षेत्र में शोक की लहर

कर्मपालसिंह सवाली

देसूरी/ पाली । भाजपा नेता जगदीश प्रजापति के सुपुत्र प्रकाश प्रजापति का आज आकस्मिक निधन होने पर देसूरी क्षेत्र में शोक की लहर, प्रकाश प्रजापति ने केसरी ग्रुप देसूरी के नेतृत्व में अनेक धर्म कार्य व सामाजिक कार्यों में हमेशा ही दूसरों के दुख-दर्द में पुरी जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य निभाते रहे थे।मात्र 38 उम्र में परिवार को रोता बिलखता छोड़ कर सदा के लिए अलविदा कहि गए। भाजपा नेता अशोकपुरी गोस्वामी, नरेंद्र सिंह राठौड़, कर्मपालसिंह सवाली, पत्रकार जगदीशसिंह गहलोत, हरिओम पुरी गोस्वामी, एडवोकेट मुकेश परी गोस्वामी, उपसरपंच भवानी सिंह राठौड़, किरण सिंह राजपुरोहित, ओम प्रकाश मेवाड़ा,चुन्नीलाल सुथार,मोतीलाल प्रजापति, कल्पेश वैष्णव, तुलसीदास वैष्णव, घनश्याम छीपा, वकील मंडल देसूरी अध्यक्ष ताराचंद मीणा,एडवोकेट लालाराम मीणा, एडवोकेट प्रदीप मीणा,तेजाराम देवासी, चेनाराम चौधरी, पोकरराम जेठजी देवासी, नरपत सिंह राठौड़,जसराम मेघवाल, दिलीप सोलंकी, गजेंद्र वैष्णव, राजु मेवाड़ा, रणछोड़ सोनी,एक दोस्त मित्रों ने प्रकाश प्रजापति के किए गए महान कार्य को याद करते हुए आंखों में आंसू लेकर उसको याद करके उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर उनके परिवार के साथ ढांढस बंधाते की जरूरत है।

गौ रक्षा यात्रा लेकर पहुंचे संत के साण्डेराव पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

कर्मपालसिंह सवाली

साण्डेराव- कटती गायें करें पुकार-जागो सनातनियों,भरो हुंकार इस नारे के साथ संत श्री दयालपुरी जी महाराज की गौ गर्जना यात्रा के शुक्रवार देर शाम को साण्डेराव फोरलेन हाइवे बाइपास पहुंचने पर पहले से स्वागत के आतुर खड़े सैकड़ों सनातन धर्म प्रेमियों ने गाजों बाजों के साथ जोरदार स्वागत करते हुए संत का फुलमामालाओ के साथ चादर ओढ़ाकर सम्मान किया। यहां पर उपस्थित सनातन धर्म प्रेमियों के साथ ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गौ रक्षा मानव का महत्वपूर्ण कर्तव्य है, क्योंकि गाय एक पशु नहीं बल्कि वो गौ माता है। जिसका दूध अमृत से कम नहीं हैं। संत ने कहा कि जब तक इस देश में गाय की रक्षा नहीं नहीं होगी व गाय को राष्ट्र माता का दर्जा नहीं दिया जाएगा तब तक राष्ट्र का कल्याण होने वाला नहीं है।वें गत 16 वर्षों से 16 प्रदेशों में गौ माता के लिए गौ गर्जना यात्रा निकाल रहे हैं। इस दौरान भंवर लाल सैंन,नटवर सैंन, किशोर सैंन,अशोक कुमार,भरत सैंन,पप्पू उर्फ नरेंद्र भाई सैंन,रमेश कुमार,रामलाल,गणपत सैंन,किकाराम,कन्हैया लाल,शांति लाल, मुकेश सैन, इश्वर सिंह रावणा राजपूत,मिठालाल दर्जी, बस्ती मल सुथार, मदन लाल सहित बड़ी संख्या में गुरू भक्तों सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे। एक शाम गौ माता के नाम भजन संध्या में देर रात तक झूमते रहे श्रद्धालु भक्त संत श्री दयालपुरी महाराज के गौ गर्जना यात्रा के साण्डेराव पहुंचने पर स्वागत समारोह के बाद "एक शाम गौ माता के नाम भजन संध्या का हुआ आयोजन" भजन संध्या में स्थानीय भजन गायकों ने गणपति वंदना व गुरु वंदना के बाद एक से बढ़कर एक गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने को लेकर एक बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियों पर भोर तक झूमते रहे श्रद्धालु भक्त गण।

राजस्थान बोर्ड कला वर्ग में उर्मिला तिगाया ने रचा इतिहास –99.60% अंकों के साथ राज्य में प्रथम स्थान

खेतीहर मजदूर की बेटी ने विषम परिस्थितियों में दिलाया पूरे प्रदेश को गर्व, बनी हज़ारों बेटियों की प्रेरणा

कार्यकारी सम्पादक कर्मपालसिंह सवाली

जोधपुर/तिंवरी। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक परीक्षा (कला वर्ग) में उर्मिला तिगाया, पुत्री पोकरराम मेघवाल निवासी बालरवा, तहसील तिंवरी (जोधपुर) ने 99.60% अंक प्राप्त कर पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह सिर्फ एक परीक्षा की सफलता नहीं, बल्कि मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास की कहानी है जिसने पूरे राजस्थान को गौरवान्वित कर दिया। उर्मिला के पिता पोकरराम एक खेतीहर मजदूर हैं, जो दूसरों की जमीन पर 30% बंटाई के आधार पर मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाते हैं। घर की आर्थिक स्थिति बेहद साधारण, सुविधाओं का अभाव, लेकिन बेटी के सपनों में कोई कमी नहीं। विषम परिस्थितियों को पार कर उर्मिला ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा कभी साधनों की मोहताज नहीं होती। उर्मिला की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रदेश भर से शुभकामनाओं का तांता लग गया है। आमजन से लेकर शिक्षाविदों और समाजसेवियों तक सभी ने इस बेटी को सलाम करते हुए उसे देश का भविष्य बताया। उर्मिला ने साबित किया है कि बेटियां जब ठान लें तो वे हर चुनौती को अवसर में बदल सकती हैं। राजस्थान को उर्मिला जैसी होनहार बेटियों पर गर्व है। यह सफलता केवल एक परीक्षा का परिणाम नहीं, बल्कि एक संदेश है – सपने देखे, संघर्ष करे, विश्वास रखे– और फिर कोई मंज़िल दूर नहीं। उर्मिला को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं!

बेटी ने देसूरी मारवाड़ का गौरव बढ़ाया

कर्मपालसिंह सवाली

देसूरी /पाली। भाजपा युवा नेता अशोकपुरी गोस्वामी सुपुत्री मुनि श्रेया गोस्वामी के बारहवी आर्टस कला वर्ग मे 91%अंक प्राप्त शानदार परचम लहराया, देसूरी की बेटी मुनि श्रेया गोस्वामी ने पूरे जज्बे के साथ माता-पिता और गुरुजन के आशीर्वाद उनकी प्रेरणा से मंजिल हासिल हुई है। मुझे भी उच्च शिक्षा प्राप्त करके बेहतरीन उपलब्धियां हासिल करके मातृभूमि के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना चाहती हुं। सुबह से ही दूरभाष पर दोस्त मित्रों सरपंच दौलत राईका, मंडल महामंत्री गणपत चौधरी,भाजपा नेता जगदीश प्रजापति, हरिओम पुरी गोस्वामी, उपसरपंच भवानी सिंह राठौड़,एडवोकेट मुकेश पुरी गोस्वामी, देसूरी वकील मंडल अध्यक्ष ताराचंद मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता चेनाराम चौधरी,मोतीलाल प्रजापति, मोतीलाल माली, ललित वैष्णव, डॉ नरेंद्र वैष्णव, श्रवण सिसोदिया, अरविंद सिसोदिया, घनश्याम छीपा, फुआ राम चौधरी,तुलसीदास वैष्णव, सोहनलाल प्रजापति, एडवोकेट शंकरराम मीणा,एडवोकेट लालाराम मीणा, मदन सोलंकी, भूराराम प्रजापति,डूंगर सिंह राव, प्रकाश प्रजापति, अनेक दोस्त मित्रों ने दी बधाई।

जवासिया विद्यालय का बारहवीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

कर्मपालसिंह सवाली

राजसमन्द, राजस्थान। रेलमगरा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जवासिया में कला वर्ग का परिणाम शत प्रतिशत रहा । किसान वर्ग की बालिका रेखा कुमारी जाट ने 90.60,अनिशा कुमारी जाट ने 85.20,पूनम कुमारी जाट ने 83.60सुगना कुमारी जाट,82.20प्रतिशत बनाये ।कुल 15 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे ।जिसमे 9 प्रथम श्रेणी व 5 द्वीतीय श्रेणी से उर्तीण हुए ।इस अवसर पर प्रधानाचार्य मोती लाल सुथार ने समस्त विद्यालय स्टाफ ,विद्यार्थियों व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया ।परीक्षा प्रभारी ने बताया कि ये बालिकाएं घर के कार्यो के साथ खेती में भी परिवार का सहयोग कर दिन रात पढ़ाई भी करती थी ।इस अवसर पर पूरे जवासिया गांव में खुशी का माहौल है प्रधानाचार्य मोती लाल सुथार ,स्टाफ संपत लाल शर्मा,राकेश सिंवर, बिहारी लाल खटीक ,जितेंद्र सिंह,सूर्य प्रकाश खाती,दिनेश चंद्र पारीक ,महेंद्र सिंह,मोनिका वैष्णव ,लक्ष्मी गाडरी, वंदना शर्मा ,गोपाल लाल शर्मा ,मीना भलावत ,मगनी देवी प्रभु लाल भील सहित गांव के समस्त ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की।

गोस्वामी समाज मोहीवाडा मंडल धडा नं एक की कार्यकारणी घोषित

अमरपुरी गोस्वामी दादाई

भाद्राजून। भाद्राजून में मोहीवाडा मंडल धडा नं एक की वार्षिक बैठक कृष्ण गौशाला में अध्यक्ष छोगा भारती नीलकंठ के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में महंत आनन्द गिरी महाराज का सानिध्य रहा बैठक में नयी कार्यकारणी घोषित जिसमें अध्यक्ष रमेश भारती भवरानी, उपाध्यक्ष भोमा भारती नीलकंठ, कोषाध्यक्ष मदन पुरी दूदीया,सचिव हनुमान भारती नौसरा,सलाहकार कान वन किशनगढ़, सदस्य के रूप में ओम नाथ कोराणा, गंगा भारती नीलकंठ, रमेश गिरी भोरडा, अर्जुन भारती आइपुरा, मंगला भारती नोसरा की ढाणी को नियुक्त किया गया। बैठक में कोषाध्यक्ष मदन पुरी एवं सचिव हनुमान भारती द्वारा पिछले वर्ष का लेखाजोखा पेश किया समाज हित हेतु मुख्य बिन्दु पर चर्चा हुई इस मौके पर मंडल महंत आनन्द गिरी महाराज,पुर्व अध्यक्ष छोगा भारती नीलकंठ पुर्व उपाध्यक्ष राजु पुरी सुगा लिया, केशर भारती जोग भारती रमेश भारती हिरा भारती, कैलाश भारती सैवा भारती प्रबत भारती भवरानी, रूपा भारती देवा भारती जेठा भारती भाका भारती भवरा भारती कुका भारती भीम भारती शैतान भारती चंपा भारती नरसा भारती,नारायण भारती रमेश भारती उतम भारती प्रवीण भारती नीलकंठ , लक्ष्मण भारती शंकर भारती अशोक भारती मोहिवाडा,राजु पुरी सेलडी, अर्जुन भारती आईपुरा, धना भारती वगता भारती ललित भारती नोसरा, थान वन कान वन गिरधर वन रमेश वन मनोज वन किशन गढ, रमेश गिरी आंनद गिरी कालु गिरी दिनेश गिरी भोरडा, भैरू गिरी रामा प्रकाश भारती नोसरा ढाणी, सहित अनेक गोस्वामी समाज बंधु उपस्थित थे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समाज में उतम कार्य करने का आशिर्वाद दिया।

सिरसा हरियाणा चौकी कालांवाली पुलिस ने 81 हजार 900 नशे में प्रयुक्त होने वाली गोलियों व कैप्सूलों सहित आरोपी को किया काबू

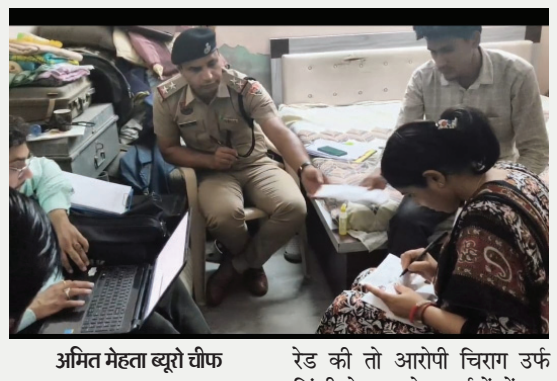

अमित मेहता ब्यूरो चीफ

डबवाली 24 मई । डबवाली पुलिस द्वारा पंजाब की सीमा से सटे जिला डबवाली को नशा मुक्त करने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं । । जिला पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है तथा विभिन्न प्रकार का नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है । जिला पुलिस द्वारा जहां मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है वहीं मैडीकल नशा बेचने वालों के खिलाफ भी शिकंजा कसा जा रहा है । प्रयासों की इसी कड़ी में चौकी कालांवाली शहर पुलिस ने मंडी कालांवाली से घर में मेडिकल नशे की कालाबाजारी करने वाले आरोपी चिराग गर्ग उर्फ चिंकी पुत्र अशोक कुमार गर्ग निवासी नजदीक आईस फैक्ट्री वार्ड न. 06 मंडी कालांवाली को भारी मात्रा में नशीली गोलियों व कैप्सूलों के जखीरे के साथ काबू करने में कामयाबी हासिल की है । इस सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी देते हुए चौकी शहर कालांवाली प्रभारी PSI सुनील कुमार ने बताया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर उन्होने मंडी कालांवाली में एक घर पर रेड की तो आरोपी चिराग उर्फ चिंकी के घर से कार्टूनों में 32 हजार 400 कैप्सूल Pregabalin (सिग्नोर) व 49,500 गोलियां (Tapentadol) को कब्जा में लिया गया । ये दोनों दवाएं बिना वैध लाइसेंस व चिकित्सीय परामर्श के रखना गैरकानूनी है । आरोपी को मौका पर ही काबू करके बरामद की गई गोलियों व कैप्सूलों को ड्रग इंस्पेक्टर से सत्यापित करवाकर उनके हवाले किया गया ।

साथ ही इसी महीने मेडिकल नशे के उपर कड़ा प्रहार करते हुए सीआईए कालांवाली ने एक कार सवार व्यक्ति जोगेंद्र पुत्र जगदीश निवासी मंदिर वाली गली, पुरानी मंडी , कालांवाली को 72,400 नशीली गोलियों व कैप्सूल के साथ काबू किया था । डबवाली पुलिस द्वारा निरंतर मेडिकल एसोसिएशन एवं दवा विक्रेताओं से संपर्क स्थापित कर उन्हें पुलिस का सहयोग करने को कहा जा रहा है ताकि दवा विक्रेता नशीली गोलियों को बिना किसी डाक्टरी सलाह एवं पर्ची के किसी को भी न दें । इसके अलावा कई नशीली गोलियां एन.डी.पी.एस. एक्ट में नहीं आतीं इसलिए इन गोलियां का अक्सर नशे में प्रयोग हो रहा है । आरोपी को बरामद अदालत में पेश किया जाएगा । डबवाली पुलिस मेडिकल नशे का अवैध कारोबार करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं बख्शेगी ।

मुनि श्री हिमांशुकुमारजी की निश्रा में योग शिविर सम्पन्न हुआ प्रवक्ता दिनेश सालेचा मदुरै ने दी जानकारी

दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो

चेन्नगानूर (केरल)। आचार्य श्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमार जी जिनका आगामी चातुर्मास मदुरै में होना निश्चित हुआ हैं मुनिश्री केरल में कालीकट, एर्नाकुलम की यात्रा करते हुए, अभी मदुरै की तरफ गतिमान हैं, रास्ते में प्रवास स्थल केरल के चेन्नगानूर में रहा । यहां आरएसएस प्रमुखालय में योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। मदुरै जे.टी. एन. प्रतिनिधि अशोककुमार जीरावला ने बताया कि मुनिश्री के सान्निध्य में आरएसएस के सेवकों ने शिविर में सहभागिता दर्ज की। मुनिश्री ने ध्यान के माध्यम से तनाव और क्रोध के ऊपर नियंत्रण के उपाय बताएं। उन्होंने योग के कुछ आसान एवं सही आसनों के बारे में उपस्थित लोगों को समझाया। उपस्थित सदस्यों ने मुनिश्री के दर्शन कर मंगल पाठ सुनकर आशीर्वाद लिया । कार्यालय के सचिव हरि का मदुरै तेरापंथ सभा की तरफ से धन्यवाद व आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में मदुरै तेरापंथ सभा अध्यक्ष गौतमचन्दजी गोलेछा ,तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाशजी,श्रवणकुमार बोथरा,बिपिन बोथरा,नितेश कोठारी सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। इससे पूर्व आरएसएस केरल के कार्यकारी अध्यक्ष ए. एम.कृष्णन ने मुनिश्री के दर्शन किए । मदुरै सभा द्वारा सभी सदस्यों साहित्य व शॉल प्रदान की गई ।

कुंभलगढ़ विधानसभा प्रत्याशी डॉ. राम मीणा ने प्रतिभा लीला भील को दी शुभकामनाएं

कर्मपालसिंह सवाली

कुंभलगढ़, 24 मई:कुंभलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. राम मीणा ने आज कुंभलगढ़ ब्लॉक की होनहार छात्रा प्रतिभा लीला भील को 12वीं कक्षा (कला वर्ग) में टॉप करने पर उनके निवास स्थान भीम बड़गांव पहुँचकर सम्मानित किया। प्रतिभा, जो कालू राम भील की पुत्री हैं, ने कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। डॉ. मीणा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी और उन्हें माला व साफा पहनाकर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. मीणा ने प्रतिभा से भविष्य की शिक्षा संबंधी योजनाओं को लेकर भी चर्चा की और उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थी समाज के लिए प्रेरणा हैं और इनकी उपलब्धियों को सराहना मिलनी चाहिए। समारोह में स्थानीय ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। इस मौके पर (किशन लाल मेघवाल अध्यक्ष मेघवाल युवा संगठन राजसमंद), पेमाराम मेघवाल, मनोज मीणा लखा राम जी ,दला राम ,कमलेश ,दोला राम, वकता राम,धुला राम,लालु भाई,नानाराम ,जीवन लाल भील , प्रकाश जी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो के दोषी को जेल की सजा से राहत दी

तरुणमित्र /पिंकी राजगुरु

पुणे :सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पॉक्सो अधिनियम के तहत एक दोषी को जेल की सजा से राहत दे दी, जिसने पीड़िता से शादी की थी। अदालत ने व्यवस्थागत विफलताओं और किशोरी और उसके बच्चे के लिए न्याय सुनिश्चित करने की जरूरत का हवाला देते हुए यह राहत दी।

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत अपने फैसले में कहा कि संविधान ने सभी नागरिकों को सामाजिक और आर्थिक न्याय की गारंटी दी है। इस मामले में, पीड़िता को सामाजिक और आर्थिक न्याय दोनों प्रदान करने में विफलता है। मामले के तथ्य कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की विफलता को इंगित करते हैं।सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दोषी करार एक युवक को यह कहते हुए सजा न देने का फैसला किया कि मामला कानून-व्यवस्था की खामियों को उजागर करने वाला है। आरोपी अब पीड़िता से शादी कर चुका है और एक बच्चे का पिता है।कोर्ट ने कहा, भावनात्मक रूप से आरोपी के साथ जुड़ चुकी पीड़िता को उसे सजा से बचाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। आरोपी ने उस समय युवती का यौन उत्पीड़न किया था जब वह नाबालिग थी। जस्टिस अभय ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि कानून की नजर में तो यह अपराध है लेकिन पीड़िता ने इसे अपराध नहीं माना।अनुच्छेद 142 का किया इस्तेमाल पीठ ने कहा, इस मामले के तथ्य सबके लिए आंखें खोलने वाले हैं। कानून व्यवस्था में खामियों को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 142 का प्रयोग किया, जो उसे पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश पारित करने की शक्ति देता है। इसके तहत ही कोर्ट ने नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने के आरोपी को कोई सजा नहीं देने का फैसला किया।कोर्ट ने कहा कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक और मानवीय पहलुओं से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए अनुच्छेद 142 के तहत विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए सजा नहीं दी गई। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीड़ित को पहले कोई सही विकल्प चुनने का मौका ही नहीं मिला।समाज ने उसे जज किया, कानून उसकी मदद नहीं कर सका और उसके परिवार ने उसे अकेला छोड़ दिया। अब वह महिला दोषी व्यक्ति से भावनात्मक रूप से जुड़ चुकी है और अपने छोटे से परिवार को लेकर बहुत संवेदनशील है। वह परिवार की रक्षा करना चाहती है।

महिला भारत आंदोलन ने राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान किया शुरू

तरुणमित्र / ब्यूरो

मुंब्रा। महिला भारत आंदोलन वुमेंस इंडिया मूमेंट (WIM) को अपने सदस्यता अभियान 2025 की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की, जो 20 मई से 20 जून तक भारत के सभी राज्यों में चलेगा। इस राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य सभी क्षेत्रों की महिलाओं को एकजुट करना और उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने, जागरूकता बढ़ाने और बेहतर, अधिक न्यायसंगत समाज के लिए कार्रवाई करने के लिए एक मजबूत मंच मिल सके। राष्ट्रीय महासचिव अफशान अजीज के नेतृत्व में, अभियान चार मुख्य स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करेगा। सामाजिक उत्थान जागरूकता असमानता, सुरक्षा और स्वास्थ्य सहित महिलाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक मुद्दों पर चर्चा और समाधान करना। राजनीतिक जागरूकता महिलाओं को उनके अधिकारों, मतदान शक्ति और शासन और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी के बारे में शिक्षित करना। शैक्षणिक जागरूकता कार्यशालाओं, शिक्षण सत्रों और सहयोगी कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के लिए शिक्षा के मूल्य को बढ़ावा देना। महिलाओं का सशक्तिकरण इंटरैक्टिव गतिविधियों और सहायता नेटवर्क के माध्यम से नेतृत्व, उद्यमशीलता और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करना। बताया कि इस अभियान में सार्वजनिक वार्ता, सामुदायिक बैठकें, शैक्षिक कक्षाएं, इंटरैक्टिव गेट-टुगेदर और जागरूकता अभियान जैसी कई जमीनी स्तर की गतिविधियाँ शामिल होंगी। इन प्रयासों का उद्देश्य महिलाओं को विशेष रूप से सामुदायिक स्तर पर जोड़ना और उन्हें अपने क्षेत्रों में सक्रिय परिवर्तनकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना है। इस पहल पर बोलते हुए, अफशान अज़ीज़ ने कहा अब समय आ गया है कि भारत भर की महिलाएँ उठें और जुड़ें और नेतृत्व करें। यह सदस्यता अभियान केवल संख्या बढ़ाने का अभियान नहीं है-यह जागरूक, आत्मविश्वासी और प्रतिबद्ध महिलाओं का एक शक्तिशाली समुदाय बनाने का मिशन है जो हमारे समाज को जमीन से ऊपर तक बदल सकती हैं।"वुमेंस इंडिया मूमेंट (WIM) भारत भर की महिलाओं को आमंत्रित करता है-चाहे उनकी उम्र पृष्ठभूमि या क्षेत्र कुछ भी हो, वे इस परिवर्तनकारी आंदोलन का हिस्सा बनें और एक उज्जवल अधिक समावेशी भविष्य में योगदान दें।

परमवीर चक्र विजेता सरदार जोगिंदर सिंह मार्ग का नामफलक 48 घंटे में दोबारा लगाया गया

तरुणमित्र / ब्यूरो

मुंबई : अंधेरी (पूर्व) के चिमटपाड़ा इलाके में Inconica होटल से अंधेरी-कुर्ला मार्ग तक के रास्ते का नामकरण परमवीर चक्र विजेता सरदार जोगिंदर सिंह मार्ग के रूप में किया गया था। उस समय मुंबई महानगरपालिका द्वारा इस मार्ग पर नामफलक भी लगाया गया था। हालांकि, सीमेंट कंक्रीटकरण के कार्य के दौरान यह नामफलक हटा दिया गया था और इसके बाद कई महीनों तक उसे दोबारा नहीं लगाया गया। यह जानकारी मिलने पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने के/पूर्व विभाग के सहायक आयुक्त श्री नितिन शुक्ला से इस विषय में त्वरित कार्रवाई की मांग की। सहायक आयुक्त शुक्ला ने इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए मात्र 48 घंटों में नामफलक को दोबारा स्थापित करवाया। इस शीघ्र कार्रवाई के लिए अनिल गलगली ने शुक्ला का आभार व्यक्त किया। इस संदर्भ में जानकारी स्थानीय समाजसेवक साहब सिंह और सरबजीत सिंह द्वारा अनिल गलगली तक पहुँचाई गई थी। नवस्थापित नामफलक का उद्घाटन विधायक पटेल मूरजी के कर-कमलों द्वारा किया गया। **परमवीर चक्र विजेता सूबेदार जोगिंदर सिंह : बुमला के शेर** 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सूबेदार जोगिंदर सिंह अरुणाचल प्रदेश के बुमला पोस्ट पर तैनात थे। 20 अक्टूबर 1962 को जब चीनी सेना ने करीब 200 सैनिकों के साथ हमला किया, तब भारतीय पक्ष के पास केवल गिने-चुने सैनिक थे। सूबेदार जोगिंदर सिंह ने अपने साथियों के साथ बहादुरी से मुकाबला किया। युद्ध के दौरान उनकी जांघ में गोली लगी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने खुद पट्टी बांधकर युद्ध जारी रखा और कई चीनी सैनिकों को मार गिराया। अंततः वे चीनी सेना द्वारा बंदी बना लिए गए। बाद में भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया। जब यह बात चीन को पता चली तो उन्होंने भी सूबेदार सिंह के सम्मान में वर्ष 1963 में उनकी अस्थियाँ पूरे सम्मान के साथ उनकी बटालियन को लौटाईं।

नारियल तेल के दाम आसमान पर, आगामी त्यौहारों में उपयोग बढ़ने से उछलेगा भावः शंकर ठक्कर

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया नारियल के उत्पादन में कमी आने से घरों में रोज़मर्रा इस्तेमाल होने वाला नारियल तेल अब लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। बीते एक साल में इसकी कीमतों में 30 से 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है- कच्चे माल, खासकर खोपरा की कीमतों में जबरदस्त तेजी। नामी कंपनियों से लेकर स्थानिक उत्पादको तक सब ने कीमतें बढ़ाई हैं। ब्रांडेड कंपनियों ने नारियल तेल मैं 30% तक कीमतें बढ़ाईं, क्योंकि खोपरे की कीमतों में 40-50% की उछाल आई है। आगे अब कीमतें स्थिर होने की उम्मीद है लेकिन किसी अप्रत्याशित घटना से फिर से बढ़ोतरी हो सकती है। दुनियाभर में नारियल तेल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। एक की रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपींस के नारियल तेल की थोक कीमत रोटरडम में इस महीने 2,700 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के पार पहुंच गई, जो 2000-2020 के औसत से करीब 200% ज्यादा है। इसका मुख्य कारण है- दक्षिण-पूर्व एशिया में खराब मौसम, जिससे नारियल उत्पादन प्रभावित हुआ। वर्तमान में कीमतें स्थिर हैं लेकिन खराब मौसम, वैश्विक मांग या आपूर्ति संकट जैसी परिस्थितियां फिर से कीमतों को बढ़ा सकती हैं। एफएमसीजी सेक्टर को इस वित्तीय वर्ष में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद है, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए नारियल तेल अभी कुछ समय और महंगा रह सकता है। शंकर ठक्कर ने आगे कहा आने वाले धार्मिक त्योहार की सीजन को देखते हुए नारियल की डिमांड बढ़ जाएगी जिसके चलते दामों में और भी उछाल आ सकता है इसलिए सरकार को दामों को नियंत्रित करने के लिए कुछ समय तक आयात की मंजूरी देनी चाहिए जिस से दाम काबू में रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कपास के दामों में उछालः सुरेश भाई ठक्कर

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के उपाध्यक्ष एवं ठाणे जिला होलसेल व्यापारी वेलफेयर महासंघ के अध्यक्ष श्री सुरेश भाई ठक्कर ने कहा आईसीई कपास वायदा ने सप्ताह का समापन शुक्रवार को 25 से 50 अंकों की बढ़त के साथ किया, जहां जुलाई कॉन्ट्रैक्ट इस सप्ताह 122 अंकों की बढ़त में रहा। कच्चे तेल की कीमतें दिन में 51 सेंट बढ़ीं, जबकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स $0.849 घटकर $99.000 पर बंद हुआ। सोमवार को मेमोरियल डे के कारण बाजार बंद रहेगा और सरकारी रिपोर्टों में देरी होगी, जबकि मंगलवार को बाजार सामान्य रूप से खुलेगा। 21 मई तक मनी मैनेजर्स ने कपास फ्यूचर्स और ऑप्शंस में अपनी नेट शॉर्ट पोजीशन में 10,951 कॉन्ट्रैक्ट्स की बढ़ोतरी की। मंगलवार तक नेट शॉर्ट पोजीशन 40,039 कॉन्ट्रैक्ट्स पर पहुंच गई।

निर्यात बिक्री के आंकड़ों के अनुसार, कपास की कुल प्रतिबद्धताएं 11.297 मिलियन रनिंग बेल्स हैं, जो यूएसडीए के निर्यात अनुमान का 109% है। हालांकि यह औसत 110% की रफ्तार से थोड़ा पीछे है। द सीम ने 22 मई को 245 बेल्स की बिक्री रिपोर्ट की, जिनकी औसत कीमत 56.74 सेंट प्रति पाउंड रही। कॉटलुक ए इंडेक्स मंगलवार को 78.25 सेंट पर स्थिर रहा। 22 मई को आईसीई कपास स्टॉक्स में 2,444 बेल्स की बढ़ोतरी हुई, जिससे प्रमाणित स्टॉक्स का स्तर 42,240 बेल्स हो गया। यूएसडीए की एडजस्टेड वर्ल्ड प्राइस गुरुवार दोपहर को 38 अंकों की गिरावट के साथ 53.52 सेंट प्रति पाउंड रही।

सोसायटी ने किया आमदार संजय केलकर का सत्कार

आमदार केलकर ने सोसायटी के पुनर्विकास की समस्याओं का समाधान करने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे : ठाणे में किशीन महल सोसायटी के सदस्यों ने आमदार संजय केलकर का सत्कार किया। आमदार केलकर ने सोसायटी के पुनर्विकास की समस्याओं का समाधान करने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। समस्याएं और समाधान सोसायटी के पुनर्विकास के दौरान कई समस्याएं उत्पन्न हुई थीं। आमदार केलकर ने इन समस्याओं को विधानसभा में उठाया और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए। उनके प्रयासों से सोसायटी के सदस्यों को बड़ी राहत मिली है। सदस्यों की प्रतिक्रिया सोसायटी के सदस्यों ने आमदार केलकर के प्रयासों की प्रशंसा की और उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आमदार केलकर ने उनकी समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए। आमदार केलकर की प्रतिक्रिया आमदार केलकर ने सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे हमेशा नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे नागरिकों के हित में काम करते रहेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

मानसिक एंव शारीरिक रूप से प्रताड़ित करनेवाले पति, सास समेत देवर पर मामला दर्ज

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। अथक प्रयासों के बावजूद सुधार न होने के बाद पति, सास एंव देवर से परेशान एक पीड़िता पुलिस का दरवाजा खटखटाई है.इस संबंध में खारघर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सुरु की है. पीड़िता का आरोप है कि उनका पति शराब के नशे में आये दिन उनके साथ नैसर्गिक संबंध बनाया एंव पैसो के लिए उसका पति समेत सास एंव देवर ने प्रताड़ित कर मारपीट करने के साथ जान से मारने की धमकी दिए है। गर्भवती एंव डिलवरी के बाद डॉक्टरों द्वारा महिलाओ का खास खयाल रखने का सलाह दिया जाता है. लेकिन शराब के आदि पति ने गर्भवती होने के साथ डिलवरी के बाद भी पीड़िता के आथ अत्याचार किया है.इतना ही नही नशे में मारपीट कर मां और भाई की पिटाई समेत जान से मारने की धमकी तक दे डाली. लेकिन बेटे को समझाने के बजाय आरोपित की मां एंव भाई ने भी साथ दिया. जानकारी अनुसार खारघर की रहनेवाली पीड़िता के मुताबिक उनका विवाह वर्ष 2013 में विजय नल्लेवाड के साथ परिवार वालो की रजामंदी से हुआ. कुछ दिन तक उनका जीवन ठीक चला. लेकिन एक महीने बाद ही कुकर्मी पति ने अपना रंग दिखाना सुरु कर दिया.पीडाता जब गर्भवती हुई तो शराब के नशे में पीड़िता के साथ नैसर्गिक शारीरिक संबंध बनाने लगा। लेकिन पीडिता सब सहती रही.इसी बीच सीजर से उनको एक बेटा भी हुआ.लेकिन अस्पताल से घर आते ही कुकर्मी अपना रंग दिखाने लगा.पीड़िता आस करती रही कि पति सुधर जाएगा. लेकिन कोई फायदा नही हुआ.उसके बाद भी कुकर्मी पति और सास पैसो के लिए दबाव बनाने लगे. वह भी पीड़िता ने दी.लेकिन फिर भी आरोपी पीड़िता के साथ मां और भाई की जब पिटाई कर जब जान से मारने की धमकी देने लगा तब पीड़िता पुलिस से शिकायत दर्ज कराई है। अनेको महिलाओं को बेलकमैल करने का आरोप पीड़िता के मुताबिक उनका कुकर्मी पति अनेको महिलाओ के साथ अश्लील चैटिंग समेत वीडियो कॉल करता था.इतना ही नही आरोपी ने ट्यूशन टीचर तक को नही छोड़ा.इसके अलावा पीड़िता के मोबाईल से उनके सहेलियों का नंबर लेकर परेशान करने लगा.हालांकि जब पीड़िता ने सब महिलाओ से बात की तो पीड़ित महिलाओं ने बताई की उनका पति उन्हें ब्लैकमेल कर रहा है।

ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को राज्य में प्रथम स्थान, प्रशासनिक सुधार का एक बेहतरीन उदाहरण

तरुणमित्र / ब्यूरो

ठाणे। जब बात सरकारी कार्यालय की आती है तो यह उम्मीद नहीं रहती कि काम जल्दी हो जाएगा। ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय ने इस धारणा को तोड़ते हुए एक मिसाल कायम की है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा कार्यान्वित "कार्यालय सुधार विशेष अभियान के 100 दिन" के अंतर्गत, ठाणे कार्यालय ने राज्य के सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।23 मई 2025 को घोषित संभाग स्तरीय कार्यालयों के प्रदर्शन में ठाणे कार्यालय ने उत्कृष्टता हासिल की है। लातूर कार्यालय ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पिंपरी-चिंचवाड़ कार्यालय ने तीसरा स्थान हासिल किया। ठाणे कार्यालय की क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन और अवधारणा के तहत, मुख्य रूप से प्रासंगिक ऑनलाइन और फेसलेस काम के लिए प्रत्येक खिड़की पर क्यूआर कोड लगाकर कार्यालय को बदल दिया गया है। आने वाले नागरिकों को सूचना एवं दिशासूचक संकेत, पेयजल सुविधाएं, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रतीक्षा कक्ष, विकलांग नागरिकों के लिए रैम्प और व्हीलचेयर, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायता तथा सैन्य कर्मियों को प्राथमिकता दी जाती है। कार्यालय परिसर से पुरानी कबाड़ सामग्री और पुराने दस्तावेज हटाकर सफाई की गई। जब्त वाहनों की भी नीलामी की गई। उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि 'आपले सरकार' और 'पीजी पोर्टल' पर शिकायतों का समय पर समाधान किया जा रहा है। उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि इस सफलता का श्रेय क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के प्रेरक नेतृत्व और कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों को जाता है। जनवरी 2025 में आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद, यह एक और सम्मानजनक उल्लेख है जो ठाणे कार्यालय की प्रतिष्ठा में इजाफा करता है। - रोहित काटकर, उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, ठाणे।

भिवंडी में चायनीज सामग्री बनाने वाले कारखाने में भीषण आग, बड़ा हादसा टला

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी: शहर के खाडीपार इलाके के अमिनाबाग में शनिवार को चायनीज नूडल्स और स्टॉल पर उपयोग होने वाली सामग्री बनाने वाले एक कारखाने में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा कारखाना और उसमें रखा चायनीज सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि कारखाने के नीचे स्थित यंत्रमाग (पावरलूम) फैक्ट्री को समय रहते आग की चपेट से बचा लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होते-होते टल गई। घटना स्थान पर अग्निशमन दल की टीम ने त्वरित पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन शुरुआती जानकारी के अनुसार इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगते ही धुएं का गुबार पूरे परिसर में फैल गया था, जिससे अफरातफरी मच गई। आग पर समय पर काबू पाने के कारण अन्य आसपास के कारखानों तक आग नहीं फैल सकी। पुलिस और अग्निशमन विभाग आग के कारणों की जांच कर रहे हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
www.tarunmitra.in
श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

सिर्फ स्मारिका नहीं है तानसेन की 'स्वरित'

सुभाष अरोड़ा

जीवन में जितनी अयथेष्टा, रिक्तता, खालीपन है,उसको भरना और भरते रहना कलाकार का काम है । यह कथन था महान कला मर्मज्ञ आनंद कुमार स्वामी का। वह 'भारतीय' को सनातन प्रवाह के रूप में देखते थे और यह महसूस करते थे कि भारत में कोई चीज पुरानी नहीं होती,कोई चीज नई भी नहीं होती, भारत में वस्तु बार-बार पैदा होती रहती है, पुनः पुनः जायमान होती रहती है। यह जो उषा की तरह पुनः पुनः जायमान होना है वही असली मानवीय संस्कार है। उक्त उद्गार विद्वान विद्यानिवास मिश्र ने राय कृष्ण दास स्मारक व्याख्यान माला में आनंद कुमार स्वामी पर विस्तृत चर्चा करते हुए व्यक्त किए थे। ग्वालियर में विगत 100 वर्ष से निरंतर आयोजित होने वाले तानसेन संगीत समारोह की स्मारिका 'स्वरित' को पाकर सहज ही उनकी यह बातें अधिक प्रासंगिक प्रतीत होने लगी।

'स्वारित' के संपादन में डॉक्टर दिनेश पाठक ने पूरी संगीत निष्ठा से अतीत स्मृति प्रबंधन की खूबसूरत मिसाल पेश की है। 'तानन प्रथम तानसेन' में उन्होंने तन्ना... मनसुख... त्रिलोचन यानी तानसेन का विस्तार से परिचय कराया है। तानसेन 27 बरस अकबर के दरबार में रहे और 'कंठाभरणवाणी विलास' की उपाधि से विभूषित होकर सम्मानित हुए। उनके दुनिया से विदा होने पर बादशाह अकबर ने कहा था "तानसेन की मौत मौसिकी के लिए सदमा है। हजारों हजार साल में शायद ही कोई फन-ए-मौसिकी में उसकी बराबरी कर सकेगा"। अबुल फजल 'आइने अकबरी' में तानसेन का परिचय देते हुए लिखते हैं " मियां तानसेन ग्वालियर निवासी जिसके समान अन्य कोई गायक,भारत में पिछले एक हजार वर्ष से नहीं हुआ"।

स्मारिका में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा 1907 की सरस्वती में प्रकाशित 'संगीत के स्वर' आलेख का भी पुनः प्रकाशन किया है। भारतीय संगीत के सूक्ष्म और शास्त्रीय ज्ञान की सराहना करते हुए उन्होंने लिखा था कि यूरोप वालों को मूच्छना और गमक आदि का अब तक ज्ञान नहीं है। काव्य शास्त्र की तरह भारतीय संगीत शास्त्र भी बहुत बढ़ा-चढ़ा है। इसी लेख में उन्होंने प्रमाणिक भारतीय संगीत ग्रंथों का उल्लेख करते हुए संगीत पर विस्तार से प्रकाश

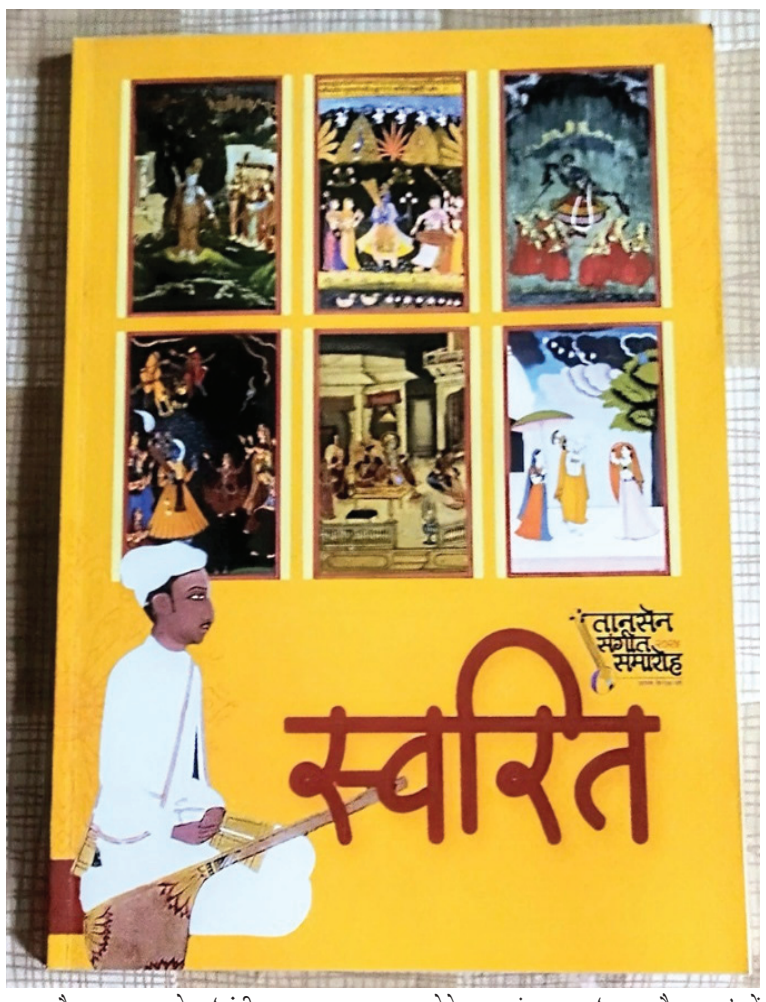

डाला है। एक अन्य लेख 'संगीत का मूलाधार एक है' में उस्ताद अमजद अली खान भारतीय संगीत के सात स्वरों सा, रे, गा, मा, पा,धा, नी की तुलना पश्चिम के डो,री, मी, फा, ला, टी से करते हुए लिखते हैं कि संगीत पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोता है।

गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर संगीत को कला का 'विशुद्धतम' रूप निरूपित करते हुए कहते हैं कि संगीत सौंदर्य को बड़े शुद्ध रूप में प्रकट करता है। गायक के सभी साधन उसके अंतर में विद्यमान होते हैं। स्वरों का उदय उसके जीवन से होता है। उसे बाहरी उपकरणों की पराधीनता नहीं ।

प्रोफेसर मुकुंद लाठ 'स्वर और शब्द' में लिखते हैं हमारा संगीत पक्का या 'शास्त्रीय' राग संगीत भी अपने आप को गाने में ही पहले देखता है बजाने में बाद में। शास्त्रों में गीत को प्रधान कहा गया है और आज भी सहृदयों में यही मान्यता रही है। सवाल उठता है कि संगीत में शब्द का स्थान क्या है ? राग- संगीत में यह सवाल उठता ही नहीं। शिकायत रहती है राग-संगीत साहित्य का ध्यान क्यों नहीं रखता। शब्द के सौंदर्य या साहित्य की बात को छोड़िए, राग संगीत के गायक शब्दों के सही उच्चारण की भी परवाह नहीं करते पर थोड़ा सोचें तो शिकायत अजीब लग सकती है। संगीत स्वरों में होता है शब्दों में नहीं तभी राग बजाने में भी उतना ही राग होता है जितना गाने में।

'वाग्गेयकार तानसेन' में विनायक नारायण सप्रे कहते हैं की संगीत रत्नाकर तथा रागतरंगिणी पुस्तकों में वाग्गेयकार के जो 28 गुण बताए हैं, उनमें से लगभग सभी तानसेन के संगीत एवं काव्य में विद्यमान थे किंतु एक विलक्षण संगीतज्ञ के रूप में तानसेन की प्रसिद्ध इतनी विस्तृत थी कि उनके व्यक्तित्व के उस दूसरे आयाम के संबंध में चर्चा कम ही हो सकी जबकि एक उत्कृष्ट कवि के तौर पर तानसेन ने विभिन्न राग रागनीयों में असंख्य पदों की रचना की।

प्रोफेसर सुनीरा कासलीवाल व्यास अपने लेख 'तानसेन और हिंदुस्तानी संगीत ' में राग दरबारी, मियां की मल्हार, मियां की तोड़ी, और मियां की सारंग की विस्तृत चर्चा के साथ तानसेन के वंशजों के संगीत के समर्पण का उल्लेख करते हुए लिखती हैं, " तानसेन के वंशजों की कठिन संगीत साधना, अपनी परंपरा को बनाए रखने की जी तोड़ ललक और रागों की ओर बंदिशों की शुद्धता के प्रति उनकी अपार निष्ठा का ही यह परिणाम है कि तानसेन के देहावसान के लगभग 500 वर्ष पश्चात भी उनका संगीत, सृजित विभिन्न राग और उनके द्वारा रचित बंदिशें आज के विद्यार्थियों को उपलब्ध हैं।

वरिष्ठ ध्रुपद गायक पंडित सुखदेव चतुर्वेदी ने 'ध्रुपद धमार गायन शैली के विकास में तानसेन के अभूतपूर्व योगदान' पर सारगर्भित प्रकाश डाला है। लेख में तानसेन की विलक्षण प्रतिभा का जिक्र करते हुए लिखते हैं कि वह दस वर्ष की आयु में आवाज की हूबहू नकल करने और पशु पक्षियों की आवाज निकालने में माहिर थे। शेर जैसी दहाड़ मार कर सबको डरा देने वाले तानसेन की प्रतिभा को पहचान कर ध्रुपद शिरोमणि स्वामी हरिदास तानसेन को अपने साथ वृंदावन ले गए और बारह वर्ष तक संगीत साधना द्वारा उन्हें राग सिद्ध करवाए।

स्मारिका में वरिष्ठ पत्रकार और सम्पादक चंद्रवेश पांडे द्वारा तानसेन अलंकरण से विभूषित प्रख्यात तबला नवाज पंडित स्वप्न चौधरी से लंबी बातचीत भी शामिल है। पंडित स्वप्न चौधरी बाबा तानसेन के नाम से मिले सम्मान को ईश्वर के प्रसाद तुल्य निरूपित करते हैं। साथ ही स्मारिका में शामिल है 'महाराजा मानसिंह तोमर का भारतीय संगीत में योगदान' लेखक हैं पंडित शंकर नारायण राव पंडित। प्रयाग शुक्ल का 'कलाओं में रितु प्रसंग' साथ ही ' मानकोतूहल के दस अध्यायों का विश्लेषण प्रोफेसर रंजना टोणपे द्वारा। डॉक्टर नर्मदा प्रसाद उपाध्याय के सौजन्य से आवरण पृष्ठ और स्मारिका के भीतर भी लघु चित्र शैली की राग माला पेंटिंग्स का अपना ही विशिष्ट आकर्षण है। साथ ही उनका लेख 'लघु चित्रों में राग माला के अंकन' स्वरों को रंग और रेखाओं की रहस्य भरी दुनिया में सजीव होने की प्रक्रिया को समझता है।

'उन्हें याद सब है जरा जरा... ' में प्रख्यात बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया उन दिनों की याद करते हैं जब ग्वालियर वायु मार्ग से नहीं जुड़ा था और संगीतज्ञ रेलगाड़ी से किसी तरह ग्वालियर पहुंचते थे। एक बार वह और प्रख्यात गायिका किशोरी अमोनकर मुंबई से रेलगाड़ी द्वारा ग्वालियर पहुंचे तब उन्हें लेने एक खटारा किस्म की गाड़ी आई थी और उसमें बैठ ठहरने वाले हाल नुमा स्थान पर पहुंचे जहां दिग्गज संगीतज्ञ ठहरे थे। बावजूद सब परेशानियों के प्रस्तुति देने के आनंद की अनुभूति अविस्मरणीय रहती। वर्षों तक बड़ी मेहनत कर ऑल इंडिया रेडियो और मध्य प्रदेश शासन ने समारोह को मौजूदा मुकाम तक पहुंचाया है।

93 वर्षीय भरत लाल शर्मा का संस्मरण तथा अन्य श्रोताओं के अनुभव भी गुजरे जमाने की यादों को ताजा कर देते हैं। 'उन्होंने कहा था...'वर्ग में प्रख्यात संगीतकारों की स्मृतियां और खासकर भारत रत्न लता मंगेशकर का संगीत पुरुष तानसेन को अद्भुत करार देना और ताउम्र उच्च कोटि के स्वरों की प्रतीक्षा करते रहने का जज्बा हमें संगीत की उस ऊंचाई से परिचित कराता है जहां कुछ अद्भुत होने की संभावनाएं सदा बनी रहती हैं। ग्वालियर में भी स्वरों के प्रति ऐसी ही प्यास है जो सदियों से आज तक अनबुझी है जो सदैव तानसेन का स्मरण करती है। जिसके फल स्वरुप ग्वालियर दुनिया में एकमात्र ऐसा स्थल है जहां एक सदी से निरंतर संगीत पुरुष तानसेन की स्मृति में श्रद्धा पर्व (संगीत यज्ञ) निरंतरता पूर्ण जारी है। दुनिया भर के संगीत प्रेमी इस अवसर का लाभ लेने तानसेन समारोह में हाजिरी लगाते हैं। स्मारिका संगीत प्रेमियों, रसिकों, विद्यार्थियों और सुधि पाठकों के लिए ज्ञान का भंडार है। साथ ही शोध छात्रों के लिए संदर्भ ग्रंथ भी।

(लेखक, प्रतिष्ठित मूर्तिकार हैं।)

अमर बलिदानी करतार सिंह सराभा का स्मरण जरूरी है

रमेश शर्मा

अमर बलिदानी करतार सिंह सराभा क्रांतिकारियों के आदर्श थे। सुप्रसिद्ध सरदार भगत सिंह भी उन्हें अपना गुरु और प्रेरणास्रोत मानते थे। उन्नीस वर्ष की आयु में जब करतार को फांसी पर चढ़ाया गया तब उन्होंने कहा था कि मुझे गर्व है कि मैं अपने पूर्वजों की परंपरा के अनुरूप मातृभूमि के लिए प्राण दे रहा हूं। ऐसे अमर बलिदानी क्रांतिकारी करतार सिंह का जन्म 24 मई, 1896 को लुधियाना जिले के ग्राम सराभा में हुआ था। इनके पिता मंगल सिंह गांव के एक संपन्न और प्रतिष्ठित किसान थे। माता साहिब कौर धार्मिक विचारों की महिला थीं और गुरुद्वारे से जुड़ी थीं। करतार सिंह अभी केवल पांच वर्ष के थे कि उनके माता-पिता का देहान्त हो गया । उनका पालन पोषण उनके दादाजी ने किया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा खालसा स्कूल लुधियाना में हुई। उनके चाचा ओडिशा में रहते थे। आगे की पढ़ाई के लिए चाचा के पास गए। चाचा ने उन्हे पढ़ने के लिए सैन फ्रांसिस्को भेज दिया। तब उनकी आयु केवल चौदह वर्ष थी। उन्होंने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के प्रवेश लिया। कैलिफोर्निया में वातावरण अलग था। वहां अंग्रेज और अन्य गोरे यूरोपियंस लोग भारतीयों सहित सभी काले रंग के नागरिकों को हेय दृष्टि से देखते थे। भारतीयों को दास कहा जाता था। चलते-फिरते अपमान हो जाना सामान्य बात थी। इस भाव के प्रति भारतीय छात्रों में रोष था। लेकिन खुलकर विरोध न हो पा रहा था। इस वातावरण ने करतार सिंह के विचारों की दिशा बदल दी। वे पढ़कर उच्च पद पाने की बजाय भारतीयों की प्रतिष्ठा और आत्म सम्मान रक्षा के उपायों पर विचार करने लगे। सैन फ्रांसिस्को में उन्हें समान विचार के अन्य छात्र भी मिले। इन सब छात्रों का एक समूह बन गया। भारतीय छात्र अकसर अपनी समस्याओं पर चर्चा करते और एक दूसरे से अपने दुख साझा करते थे। कनाडा और अमेरिका के प्रशांत तटों पर बसने वाले भारतीय आप्रवासियों का एक समूह बन गया जिसने अंग्रेजों से भारत की मुक्ति का संकल्प लिया। इन सभी भारतीयों का मनोभाव "करो या मरो" की सीमा तक दृढ़ हो गया। करतार सिंह अपनी कार्यशैली से बहुत शीघ्र इस राष्ट्रप्रेमी समूह के अग्रणी सदस्य बन गए। यहीं इस जाग्रति अभियान के साथ सशस्त्र क्रांति की तैयारियां भी आरंभ हुईं। अपनी सक्रियता के साथ उनका संपर्क लाला हरदयाल से हो गया। करतार सिंह उनके मार्गदर्शन में आगे बढ़े। लाला हरदयाल गदर पार्टी के संस्थापकों में से एक थे। 1913 में उन्होंने सोहन सिंह भकना, पंडित कांशी राम, हरनाम सिंह टुंडीलाट आदि के साथ मिलकर 1913 में गदर पार्टी की स्थापना की थी। गदर पार्टी सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से अंग्रेजों से भारत की मुक्ति का अभियान चला रही थी। इस संगठन का मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को में ही था। लालाजी के माध्यम से करतार सिंह इससे जुड़ गए। पोर्टलैंड में हुए गदर पार्टी के सम्मेलन में भी करतार सिंह शामिल हुए। वहां 'युगान्तर आश्रम' की स्थापना में करतार सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। क्रांति के लिए साप्ताहिक समाचार पत्र गदर का प्रकाशन आरंभ हुआ। करतार सिंह ने अपने घर से पढ़ाई के लिए आए 200 पौंड इस समाचार पत्र प्रकाशन के लिए लाला जी को दे दिए। इस पत्र में अन्य सामग्री के साथ भारत में हुई 1857 की क्रांति की भी प्रेरक सामग्री होती थी। इससे नौजवानों में नई ऊर्जा का संचार होता। उन्हीं दिनों प्रथम विश्व युद्ध आरंभ हो गया। तब करतार सिंह भारत आ गए। जनवरी 1914 में समाचार पत्र गदर का गुरुमुखी संस्करण आरंभ हुआ। लाला हर दयाल इसके संपादक और करतार सिंह उप संपादक बने। आगे चलकर गदर का उर्दू संस्करण भी आरंभ हुआ। इस संस्करण का संपादक करतार सिंह को बनाया गया। अपने इस जन जागरण अभियान के साथ युवाओं की सशस्त्र संघर्ष तेज करने की भी योजना बनी। इसके लिए बंगाल गए और रासबिहारी बोस तथा शचीन्द्रनाथ सान्याल सहित अन्य क्रान्तिकारियों से भी भेंट की। 21 फरवरी, 1915 को पूरे देश में एक साथ क्रान्ति करने की योजना बनी। करतार सिंह को पंजाब में क्रांति का दायित्व मिला। उन्होंने कई धार्मिक स्थानों की यात्रा करके युवकों को जोड़ा। इसके साथ फिरोजपुर रावलपिंडी, और लाहौर की सैन्य छावनियों सेना के सिपाहियों से भी सम्पर्क करके क्रांति से जोड़ने की योजना बनी। रेल तथा डाक व्यवस्था को भंग करने की भी योजना बनाई। पंजाब में क्रांति की इन गतिविधियों का केन्द्र लाहौर बना। वहां लाहौर छावनी के शस्त्रागार का चौकीदार भी क्रांति से जुड़ गया । योजना पूर्वक 100 रिवाल्वर एवं अन्य सामग्री जुटा ली गई। धन और शस्त्र जुटाने का अभियान चल ही रहा था कि कृपाल सिंह नामक एक पुलिस कर्मचारी ने विश्वासघात कर दिया। उसने ब्रिटिश अधिकारियों को सूचित कर दिया। शस्त्रागार से शस्त्र गायब होने से अंग्रेज अधिकारियों में खलबली मच गई थी। इस सूचना से पुलिस और सेना ने धरपकड़ आरंभ कर दी। करतार सिंह अपने कुछ साथियों के साथ लाहौर से निकल गए, लेकिन सरगोधा में गिरफ्तार कर लिए गए। पूरे पंजाब में धरपकड़ आरंभ हुई और कुल 60 युवा क्रांतिकारी बंदी बना लिए गए। इतिहास में इन गिरफ्तारियों का "पहले लाहौर षड्यन्त्र केस" के रूप में उल्लेख है। करतार सिंह ने अपने साथियों को बचाने के लिए सारी जिम्मेदारी स्वयं पर ले ली। न्यायाधीश ने उन्हें अपना बयान बदलने और माफी मांगने को कहा ताकि सजा कम दी जा सके लेकिन करतार सिंह ने जो कहा उससे न्यायधीश ने फांसी की सजा सुना दी । उन्होने कहा था "मुझे दुख है कि मैं क्रांति को सफल न बना सका" एक बार उन्होंने जेल से भागने का भी प्रयास किया लेकिन सफल न हो सके। अंततः 16 नवम्बर, 1915 को करतार सिंह सराबा और उनके छह साथियों विष्णु गणेश पिंगले, हरनाम सिंह, बख्शीश सिंह, जगतसिंह, सुरेन सिंह एवं सुरेन्द्र सिंह को लाहौर के केन्द्रीय कारागार में फांसी दे दी गई।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7424

सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7423 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 8486

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा,मन्नत-2
3. आश्रय,शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब,स्वप्न-3
17. घर,आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म,खाक-2
23. निगाह,दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग,हिलोर-3
32. गुंडा,बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी,कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम,सातवां-2
2. पृथ्वी,वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना,लालसा-3
7. खुमार,सरुर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर,तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल,खानदान,वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि,शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि,रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी,विदा होना-3
31. राशि,धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8485 का हल

श	ब	■	ता	■	य	■	लॉ	क
रा	■	ला	ल	■	श	ह	■	हा
ब	से	रा	■	सा	■	क	स	र
■	ना	■	आ	स	रा	■	र	■
अ	ना	मि	का	■	श	रा	फ	त
■	य	■	र	ह	न	■	रो	■
म	क	र	■	र	■	प्रे	श	र
लि	■	ज	मा	■	आ	स	■	स
न	र	■	न	■	म	■	आ	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का पंचांग

रविवार 2025 वर्ष का 145 वा दिन, दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1946, मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण, तिथि त्रयोदशी 15.52 बजे को समाप्त। नक्षत्र अश्विनी 11.12 बजे को समाप्त। योग सौभाग्य 11.06 बजे को समाप्त। करण गर 05.38 बजे, वणिज 15.52 बजे तदनन्तर विष्टि 02.03 बजे रात्र को समाप्त।

आज का राशिफल

मेष : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष : कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन : अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, इक्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभइक्षचतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह : स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु : नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर : एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ : सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञनार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

कैंसर को हराकर इमरान ने रचा इतिहास, राजस्थान बोर्ड 12वीं (आर्ट्स) में हासिल किए 91.60% अंक

पाली/अशोक कड़ेला निम्बाड़ा ।

पाली जिले के खेरवा गांव निवासी इमरान खान ने कैंसर जैसी बीमारी को मात देकर 12 वीं कला वर्ग में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वडेरावास में अध्ययन कर यह मुकाम हासिल किया है। एक तरफ निजीकरण का दौर चल रहा है सभी अभिभावक अपने बच्चों को निजी विद्यालय में पढ़ने के लिए मोटी फीस देकर भी पढ़ाते है की बच्चे की पढ़ाई पर शिक्षक ज्यादा ध्यान दे सके वही दूसरी ओर सरकारी विद्यालय में पढ़कर भी इस बच्चें ने कमाल कर दिखाया। जब जिंदगी कठिनाइयों से घिर जाए और हालात संघर्षपूर्ण हों, तब भी अगर हौसला बुलंद हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। ऐसा ही कर दिखाया है इमरान खान ने। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझते हुए इमरान ने राजस्थान शिक्षा बोर्ड की 12वीं (आर्ट्स) परीक्षा में 91.60% अंक हासिल कर सबको चौंका दिया है। इमरान खान, जिनके पिता का नाम मोहम्मद शरीफ कुरैशी है, पिछले एक से डेढ़ साल से कैंसर की गंभीर स्थिति से जूझ रहे थे। इलाज के दौरान उन्हें लगातार कीमोथेरेपी से गुजरना पड़ा और इस कारण वह लंबे समय तक स्कूल भी नहीं जा पाए। बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी और पढ़ाई के प्रति अपनी लगन और मेहनत से यह सफलता अर्जित की।गांव के ही अमजद भाटी ने बताया कि इमरान ने हर चुनौती का डटकर सामना किया और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से यह साबित कर दिया कि अगर हौसले बुलंद हों तो कोई भी मुश्किल रास्ता आसान हो जाता है। इमरान की इस उपलब्धि पर गांव भर में खुशी की लहर दौड़ गई। मनोहर सिंह राजपुरोहित, धाकड़ भाटी, मुकेश मालवीय, मुस्ताक पठान समेत कई ग्रामीणों ने इमरान को माला पहनाकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। यह कहानी न सिर्फ प्रेरणादायक है बल्कि यह भी सिखाती है कि जिंदगी में किसी भी परिस्थिति में उम्मीद और मेहनत का साथ न छोड़ें — क्योंकि "हौसला रखो तो जीतने की उम्मीद बढ़ जाती है, वरना छोटी सी बीमारी भी भारी पड़ जाती है।" इमरान, तुम पर पूरे गांव को गर्व है !

वापी जीआईडीसी की प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियां बे मौसम बारिश का उठाए भरपूर फायदा

तरूण मित्र,

वलसाड जिला। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के बाद शनिवार को वापी सहित वलसाड जिला में बिन मौसम भारी बारिश दर्ज की गई। शनिवार तड़के आए तेज तूफ़ान और बिजली की गर्जना के साथ लगभग 35 मिमी बारिश हुई। बारिश की शुरुआत के साथ ही वापी जीआईडीसी के कई कंपनियां अपने अपशिष्ट पानी को बारिश के नालों में छोड़ दिया। जिसके चलते अधिकांश बारिश के नालों में रंगीन पानी बहता हुआ नजर आया। वापी जीआईडीसी की कई स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज लाइनों में प्री-मानसून की सफाई अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए जगह-जगह कचरा, मिट्टी और झाड़ियाँ जमा देखी गईं। बारिश के पानी के साथ छोड़े गए अपशिष्ट के कारण सड़कों और नालों में लाल, हरे, पीले और भूरे रंग का पानी बहता हुआ देखा गया। इसके साथ ही, कई कंपनियों ने गैसें भी छोड़ी, जिससे मुख्य मार्गों पर वाहन चलाने वाले लोगों को दुर्गंध का सामना करना पड़ा। वहीं कंपनियों की चिमनियों से निकलता धुंआ हवा में ऊपर उठने की बजाय ज़मीन की ओर झुक गया, जिससे विज़िबिलिटी भी कम हो गई और चारों ओर धुंध जैसा माहौल बन गया था। गौरतलब है कि इन दिनों पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। परंतु वापी जीआईडीसी की कई कंपनियों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने की बजाय प्रदूषित करने में ही अपना योगदान दिया। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब बिन मौसम की एक बारिश में ही ये कंपनियां इतना बेपरवाह हो जाती हैं, तो मानसून के चार महीनों में इनकी मनमानी किस हद तक जाएगी ? इस स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक है कि जीपीसीबी (गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) और संबंधित संस्थाएं अभी से हरकत में आएं और प्रदूषण फैलाने वाले कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें।

राजस्थान में नए वाहन नियम लागू : दिल्ली में BS-VI से नीचे के माल वाहनों की एंट्री पर रोक

अमित मेहता ब्यूरो चीफ

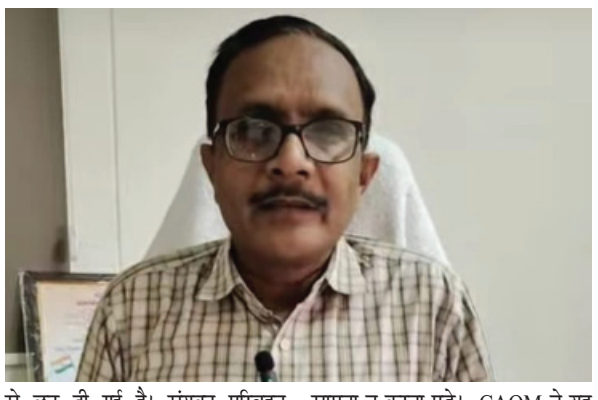

सादुलशहर/श्रीगंगानगर, 24 मई 2025: राजस्थान सरकार ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। तेजा राम नोखवाल, सूचना सहायक, ने बताया है कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के निर्देशों के तहत 1 नवंबर 2025 से BS-VI, CNG, LNG और इलेक्ट्रिक वाहनों को छोड़कर सभी व्यवसायिक माल वाहनों का दिल्ली में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। यह नियम उन माल वाहनों पर लागू होगा, जो BS-VI से नीचे की श्रेणी में आते हैं। हालांकि, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन में लगे वाहनों को 31 अक्टूबर 2026 तक इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। संयुक्त परिवहन आयुक्त श्रीमान जगदीश प्रसाद बैरवा ने सभी प्रादेशिक और जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र में इस नियम की जानकारी व्यापक रूप से फैलाएं और जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि वाहन स्वामियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। CAQM ने यह निर्देश 23 अप्रैल 2025 को जारी किए थे, जिसका मुख्य उद्देश्य दिल्ली-NCR में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करना है। विभाग ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को अपग्रेड करें और नए नियमों का पालन करें, ताकि पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें।

सिरसा जिले मे मोटरसाइकिल सवार दो युवक 14 ग्राम 26 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू

अमित मेहता ब्यूरो चीफ

सिरसा---- पुलिस अधीक्षक सिरसा के निर्देशानुसार नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए जिला की सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने गश्त व चेकिंग के दौरान ढाणी लखजी ऐलनाबाद क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को करीब डेढ़ लाख रुपए की 14 ग्राम 26 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है । इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के प्रभारी उप निरीक्षक जगदीश चंद्र ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान अवतार सिंह पुत्र जंग सिंह निवासी वार्ड नंबर 14 रूप नगर ऐलनाबाद व साहिल उर्फ पिंकी पुत्र मांगेराम निवासी वार्ड नंबर 4 ऐलनाबाद जिला सिरसा के रुप में हुई है । उन्होने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान लखजी की ढाणी टी पॉइंट ऐलनाबाद क्षेत्र में मौजूद थी । इसी दौरान ढाणी लखजी की तरफ से मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते हुए दिखाई दिए । उक्त मोटरसाइकिल सवार युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को अचानक मोटरसाइकिल को वापस मोड़कर भगाने का प्रयास किया तो पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त मोटरसाइकिल सवार युवकों को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली तो उनके कब्जा से 14 ग्राम 26 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई । सीआईए प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने हेरोइन को कब्जा में लेकर गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ ऐलनाबाद थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई है । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से पूछताछ कर हेरोइन तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

वापी नगरपालिका द्वारा 100 से अधिक अवैध गोदामों पर चलाया गया बुलडोजर, सभी गोदामों को किया ध्वस्त

तरूण मित्र

वलसाड जिला। वापी नगरपालिका द्वारा शनिवार को जिलाधिकारी भव्य वर्मा और मनपा आयुक्त योगेश चौधरी के मार्गदर्शन में भंगार के अवैध गोदामों पर मेगा तोड़क कार्यवाही की गई। वहीं वापी महानगर पालिका ने वापी मनपा क्षेत्र में स्थित डुंगरी फलिया में एक अवैध भंगार के गोदाम पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। पुलिस काफिले के साथ की गई इस तोड़क कार्रवाई से एक बार फिर भंगारियों में हड़कंप मच गया है। वापी मनपा द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, ये गोदाम आवासीय क्षेत्र में थे। आसपास बड़ी संख्या में आवासीय इमारतें थीं। पिछले 4 महीनों में डूंगरी फलिया और करवड़ क्षेत्र में आग लगने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसके अलावा भंगार गोदामों के मालिकों ने जीपीसीबी से एनओसी भी नहीं ली है। इसलिए, अनाधिकृत भंगार गोदामों के मालिकों को अंतिम नोटिस जारी कर उनसे स्वेच्छा से इन गोदामों को हटाने की अपील की गई थी। परंतु भंगार गोदाम मालिकों ने महानगर पालिका के अंतिम नोटिस को नजरअंदाज कर दिया था। वहीं शनिवार को नोटिस अवधि समाप्त होने के बाद मनपा द्वारा 100 से अधिक ऐसे खतरनाक अवैध भंगार गोदामों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान वापी महानगर पालिका नगर नियोजन और डीजीवीसीएल के अधिकारियों के अलावा डीएसपी बी.एन.दवे, मामलतदार कल्पनाबेन पटेल, डुंगरा पीआई और अन्य अधिकारी मौजूद थे। जबकि पुलिस काफिले की मौजूदगी में महानगर पालिका अधिकारियों ने बुलडोजर की मदद से अवैध कबाड़ गोदाम को ध्वस्त कर दिया गया है।

भिवंडी में बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार, देह व्यापार में लिप्त होने का आरोप

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी: बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर भिवंडी के हनुमान टेकड़ी इलाके में रह रही एक बांग्लादेशी महिला को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। महिला के खिलाफ शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि 31 वर्षीय महिला हनुमान टेकड़ी इलाके में देह व्यापार में लिप्त है। इस आधार पर क्राइम ब्रांच ने इलाके में छापा मार कार्रवाई की और संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश से चोरी-छिपे भारत आई थी। फिलहाल महिला के खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम व अन्य संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस इस मामले में और भी लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

वलसाड के पालन गांव में सड़क पर गीली मिट्टी के कारण वाहन चालक हुए परेशान

तरूण मित्र

वलसाड जिला। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार गुजरात में बेमौसम मूसलाधार बारिश हुई। जिसके कारण अधिकांश इलाकों में सड़कें और रास्ते भी जलमग्न हो गए हैं। वहीं वाहन चालकों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के कारण बिजली के खंभे और पेड़ उखड़ गए हैं। इसके अलावा, कई ग्रामीण इलाकों में सड़कें खराब स्थिति में हैं, जिसके कारण ग्रामीणों को जलभराव और कीचड़ के कारण भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी ही एक घटना वलसाड से सामने आई है। वलसाड के पालन गांव में कीचड़ के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से वाहन चालक और बाइक चालक परेशान हैं। वलसाड जिला के पालन गांव में भारी बारिश हुई, जिसके कारण गांव की सड़क खराब हो गई। बारिश के कारण सड़क कीचड़ से भर गई है । पालन गांव में एक कार्य के लिए मिट्टी खोदी गई और मिट्टी खोदने वाले लोग इतने लापरवाह थे कि मिट्टी सड़क पर गिर गई। इसी बीच सड़क पर मिट्टी गिरने के बाद बारिश हो गई, जिसके कारण सड़क खराब हो गई। कीचड़ के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई है। ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लोग सड़क पर फिसल रहें हैं। वहीं वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा और लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। गीली मिट्टी में चलते समय लोग फिसलने लगते हैं। जबकि दोपहिया वाहन पर सवार एक महिला थैला लेकर सड़क पर गिर गई। इस तरह के दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गए। जिसके कारण लोग परेशान हैं।

सिरसा जिले मोजगढ़ मानी हत्या कांड हत्याकांड में सी आई ए स्टाफ डबवाली, साइबर सेल डबवाली की बडी कार्यवाही

अमित मेहता ब्यूरो चीफ

डबवाली पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तत्परता से कार्यवाही करते हुए सीआईए स्टाफ डबवाली टीम व साइबर सेल की संयुक्त टीम ने गांव मोजगढ में हत्या व हत्या के प्रयास के मामले के मुख्य सजिशकर्ता आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ लवली पुत्र स्वराज सिंह निवासी गांव डबवाली को काबू करने में सफलता हासिल की है । इस संबंध में प्रभारी सीआईए स्टाफ डबवाली उप नि. राजपाल ने बताया कि 28.10.2024 को महिला निवासी मौजगढ़ के ब्यान पर उसके पति राजेन्द्र सिंह उर्फ काला व उसके पुत्र करणवीर सिंह उर्फ मानी पर उसके घर पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने पर जो गोलियां लगने से करणवीर सिंह उर्फ मानी की मोत हो जाने व राजेन्द्र सिंह के घायल होने पर थाना सदर में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी । जो जांच के दौरान सीआईए स्टाफ डबवाली टीम व थाना सदर डबवाली की संयुक्त टीम ने इस मामले में दो आरोपियों कुलदीप सिंह उर्फ गग्गी पुत्र हरदीप सिंह निवासी मटदादू व लक्ष्मण उर्फ पुण्ड पुत्र जग्गा सिंह निवासी मसीता को काबू कर आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग किया गया मोटरसाइकिल व पिस्टल बरामद कर जेल भेजा था । जो उसके बाद संलिप्त आरोपी सुखप्रीत सिंह उर्फ शैम्पी पुत्र स्वराज सिंह निवासी डबवाली को काबू कर जेल भेजा गया था । आगामी कार्यवाही में उनकी टीम ने मसीता हत्याकांड के मुख्य आरोपी व इस मामले में वांछित आरोपी कुलदीप उर्फ भाऊ पुत्र लखविंदर सिंह लाहोरिया निवासी मसीतां को काबू कर जेल भेजा था ।उन्होने आगे बताया कि आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ लवली पर मसीता मानी हत्याकांड के साथ-साथ थाना शहर मे मसीता हत्याकांड में अपराधिक षड्यंत्र के तहत अभियोग दर्ज है । जिसमें उनकी टीम के द्वारा मुख्य आरोपी कुलदीप उर्फ भाऊ को चंडीगढ़ से काबू कर जेल भेजा था । इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों कुलदीप सिंह पंच पुत्र बलविन्द्र सिंह व इकबाल पुत्र गुरतेज सिंह निवासी मसीतां व अमरजीत सिंह उर्फ अर्श पुत्र जगजीत सिंह निवासी गांव डबवाली को काबू कर जेल भेजा जा चुका है । आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ लवली को अदालत में पेश किया गया जो आदेशानुसार बंद जेल करवाया गया । आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ लवली पर निम्न अभियोग दर्ज है:-1. अभियोग न. 524/2024 थाना सदर डबवाली 2.अभियोग न. 130/2025 थाना शहर डबवाली 3.अभियोग न. 708/2023 थाना शहर डबवाली4. अभियोग न. 114/2024.

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा श्यामनारायण ठाकूर झगडू सिंह मनोरंजन मैदान का किया गया लोकार्पण

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया भव्य लोकार्पण समारोह

तरूण मित्र,

मुंबई। मुंबई के कांदिवली स्थित ठाकुर कॉम्प्लेक्स परिसर में शिवतेज आरोग्य सेवा प्रतिष्ठान द्वारा संचालित श्यामनारायण ठाकूर झगडू सिंह मनोरंजन मैदान के सौन्दर्यीकरण, नूतनीकरण के उपरांत महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लोकार्पण किया। इस उद्यान में बच्चों के लिए विभिन्न खेलों के साधन, वॉलीबॉल, बैडमिंटन तथा पिकल बॉल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक अतुल भातखलकर, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण महामंडल के अध्यक्ष सिद्धेश रामदास कदम, शिवसेना प्रवक्ता शीतल म्हात्रे और भाजपा तथा शिवसेना के पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मदरसा शिक्षक का हाल

वेतन 92 हजार फिर भी नहीं लिख सके बृहस्पतिवार

बहराइच , एजेंसी। यूपी के बहराइच में मदरसों में पढ़ने वाले कक्षा सात के बच्चों को सप्ताह के सातों दिनों के नाम तक ठीक से नहीं पता है। अफसोस की बात यह है कि बच्चों की इन गलतियों को मदरसे में 92 हजार रुपये के वेतन पर पढ़ाने वाले शिक्षक भी नहीं पकड़ पाए। बृहस्पतिवार कैसे लिखते हैं, यह तक मदरसा के शिक्षक नहीं जानते हैं। इसका खुलासा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की जांच में हुआ है। दो दिन पूर्व जिला अल्पसंख्यक

अधिकारी संजय मिश्रा ने महसी इलाके के मदरसा दारुल उलूम अशरफिया हस्मतुरर्जा का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान जब उन्होंने छात्रों की कापी देखी तो पाया कि कक्षा सात का छात्र अपने हिन्दी की कॉपी में सप्ताह के सात दिनों के नाम तक ठीक से नहीं लिख सका है। उसकी कॉपी को मदरसे में पढ़ाने वाले शिक्षक मौलवी साहब ने जांची तो गलती के बावजूद उन पर सही का निशान लगा मिला। यह देखकर अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी भड़क गए। उन्होंने मौलवी से पूछा कि क्या कॉपी में लिखा बृहस्पतिवार सही है। इस पर मौलवी साहब बगले झांकने लगे।

मौलवी ने बताया 92 हजार रुपये वेतन मिलता है- कई बार सवाल पूछने पर मौलवी साहब ने उंगली से कॉपी पर इशारा करते हुए बताया कि मात्रा इधर से होनी चाहिए, लेकिन जो वह उंगली से बता रहे थे। वह भी गलत था। इस पर अधिकारी ने पूछा कि कितना वेतन पाते हो तो मौलवी ने बताया कि 92 हजार रुपये। इससे हतप्रभ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने कहा कि इससे खराब क्या हो सकता है कि कक्षा सात का छात्र सप्ताह के सात दिनों के नाम तक ठीक से नही लिख पा रहा है। उन्होंने शिक्षक गुणवत्ता युक्त शिक्षण कार्य के लिए चेतावनी भी जारी की।

भारत-नेपाल सीमा पर पकड़ा गया संदिग्ध

एसएसबी ने पुलिस को सौंपा, की जाएगी पूछताछ

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में शुक्रवार की रात भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने एक संदिग्ध को पकड़ा है। उसकी भाषा काफी अजीब है। जो स्थानीय निवासियों से काफी अलग है। एसएसबी ने उसे पुलिस को सौंप दिया है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उससे पूछताछ की जाएगी। मामला मोतीपुर क्षेत्र का है। यहां भारत-नेपाल सीमा पर एक युवक घूम रहा था। एसएसबी जवानों को शंका

हुई तो उसे रोका। उससे बातचीत करके उसका पता और टहलने का कारण पूछा। इस पर उसने जिस भाषा में जवाब दिया, वह पहले तो किसी को समझ में ही नहीं आई। इस पर शक और गहरा गया। एसएसबी जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। उसकी हालत देखते हुए सुरक्षाबलों ने उसे सुजौली पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। उसके घुसपैठिया होने की आशंका जताई जा रही है।

बॉर्डर पर कड़ी कर दी गई है सुरक्षा

दरअसल, नेपाल के रास्ते उत्तर प्रदेश में बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों के घुसपैठ की आशंका से बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

हिस्ट्रीशीटर को दौड़ाकर मारी गोली

17 मुकदमों के साथ 25 हजार का है इनामी; कारतूस व नकदी बरामद

आजमगढ़ , एजेंसी। एसएसपी हेमराज मीणा के निर्देशन में अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार की रात रौनापार थाना क्षेत्र में पुलिस और एक कुख्यात अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई।

इस दौरान 25 हजार रुपये का इनामी और हिस्ट्रीशीटर रवि उर्फ रविशंकर घायल हो गया। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने तमंचा व कारतूस और 10,100 रुपये नकद व बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की। साथ ही उसे अस्पताल उपचार के लिए भर्ती कराया गया। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रौनापार और

जीयनपुर थाना क्षेत्रों में कई आपराधिक मामलों में वांछित शातिर अपराधी रवि उर्फ रविशंकर बाइक से सुरैना बाजार की ओर आ रहा है।

पुलिस ने किया गिरफ्तार- इस सूचना पर रौनापार थानाध्यक्ष अनुपम जायसवाल और जीयनपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बलपुर लिंक खड़जा मार्ग पर घेराबंदी की। जब पुलिस ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, तो उसने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे बाइक फिसल गई। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। इस दौरान रवि के बाएं पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- गिरफ्तार आरोपी रवि उर्फ रविशंकर मऊ जनपद के दोहरीघाट थाना क्षेत्र के चिउटी डांड गांव का निवासी है। उसके खिलाफ रौनापार और जीयनपुर थानों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें लूट, चोरी, हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट से संबंधित धाराएं शामिल हैं।

अलग-अलग सड़क हादसों दो लोगों की हुई मौत, छह घायल; परिजनों में मचा कोहराम

सहारनपुर , एजेंसी। बेहट कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात दो सड़क हादसे में हुए। इनमें एक युवती समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हुए है। घायलों में पांच बच्चे शामिल है। पहला हादसा रात करीब नौ बजे शाकंभरी देवी रोड पर राधा स्वामी सत्संग भवन के पास हुआ। शाकंभरी देवी की तरफ से तेज गति से आ रही एक कार ने बाइक सवार दूध का काम करने गांव पाजरणा निवासी साजिद (45) पुत्र गफूर को टक्कर मार दी। हादसे साजिद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

दूसरा हादसा दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर गांव सुल्तानपुर माली उर्फ मीरगढ़ के पास हुआ। थाना मिर्जापुर के गांव खेड़ी निवासी शहजाद और उसके परिवार के बच्चे दो बाइकों पर सवार होकर बेहट आ रहे थे। उनकी बाइक से सामने से आ रहे बाइक सवार हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब निवासी समीर टकरा गया। तीनों बाइक और उन पर सवार लोग सड़क पर गिर गए। हादसे में रेशमा (20) पुत्री शहजाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शहजाद का बेटा आरिश (11) व तामिश (9) नाजिया (9) पुत्री खालिक, अरमान (15) व मंतशा (18) पुत्र तासिन और समीर गंभीर रुप से घायल हो गए। सभी घायलों को बेहट सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

गोरखपुर में पत्नी ने पति से वीडियो कॉल पर की बात...

दे दी जान- सऊदी में रहता है शौहर- हुई थी अनबन

गोरखपुर , एजेंसी। गीडा /थाना क्षेत्र के पिपरौली पश्चिम मुहल्ले में किराए के मकान में रह रही महिला ने शुक्रवार की देर रात फंदे से लटक कर आत्महत्या कर लिया। इस दौरान वह पति से वीडियो काल पर बात कर रही थी। पति को जब अनहोनी की आशंका हुई तो उसने पड़ोसी को फोन किया। वह जब तक पहुंचता देर हो चुकी थी। लगभग 1 घंटे बाद फोरेंसिक टीम के पहुंचने के बाद दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया। मृतका की पहचान थाना बड़हलगंज के वार्ड नंबर 8 पुराना गोला की खुशी (28) पत्नी मोहम्मद नदीम अंसारी के रूप में हुई है। नदीम अंसारी रोजगार के सिलसिले में सउदी अरब के मदीना शहर में रहता है। अभी 15 दिन पहले ही वह मदीना गया है। देर रात खुशी ने पति को वीडियो काल किया। वीडियो काल पर ही दोनों के बीच कुछ बहस हुई। मोबाईल रात 10 बजकर 59 मिनट पर काल डिस्कनेक्ट हो गई। उसके बाद खुशी ने खिड़की के पर्दे का फंदा बनाया और पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। उसका शव बिस्तर पर ही लटक रहा था। बिस्तर पर ही उसका 3 वर्ष का मासूम बच्चा सो रहा था। फोन काटने के बाद पति को जब यह एहसास हुआ कि वह फांसी लगा रही है तो उसने पड़ोस में रहने वाले छोटू को घर भेजा। जब छोटू आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो वह फंदे से लटक रही थी। उसी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर गीडा थाने के दरोगा व सिपाही पहुंच गए। लगभग एक घंटे बाद जब थानाध्यक्ष, सीओ व फोरेंसिक टीम पहुंची तब दरवाजा तोड़ा गया और शव को नीचे उतारा गया। फोरेंसिक टीम ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जब घर के अंदर गई तो तीन वर्ष के मासूम को पड़ोसी ने गोद में उठाया। उस समय भी वह गहरी नींद में सो रहा था। जांच के दौरान शोर-शराबा सुनकर वह उठ गया और बिस्तर पर बैठकर मां को खोजने लगा। मां को पुकारते हुए रोने लगा। आसपास के लोगों ने उसे चुप कराने की कोशिश की लेकिन चुप नहीं हो रहा था। फिर एक पड़ोसी उसे गोद में लेकर वहां से दूर चला गया। सीओ गीडा रत्नेश्वर सिंह ने बताया कि गीडा क्षेत्र के पिपरौली में एक महिला ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बरातियों की कार पलटी, दूल्हे के भाई की मौत- चार घायल

गोरखपुर, एजेंसी। बांसगांव (गोरखपुर)। मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र के अमरपुर जामडीह गांव के पास शुक्रवार की सुबह बरातियों की कार खाई में पलट गई। घटना में एक की मौत हो गई और कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान दूल्हे के भाई चंद्रमोल त्रिपाठी उर्फ दीपू (38) के रूप में हुई। वहीं, बांसगांव थाना क्षेत्र के पांडेय तिघरा निवासी किशन पांडेय (30), संदीप प्रजापति (30), भीटी तिवारी निवासी मदन तिवारी (18) और उनके भाई बिशु तिवारी (19) गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, बांसगांव थाना क्षेत्र के ग्राम भीटी तिवारी के आनंद त्रिपाठी के यहां से बृहस्पतिवार की शाम बरात मधुबन थाना के खीरीकोठा गई थी। रातभर वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराने के बाद भोर में बराती वापस लौट रहे थे। उनमें से एक कार मधुबन घोसी मार्ग होते हुए गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन की तरफ जा रही थी। सुबह करीब 6-30 बजे कार अमरपुर जामडीह गांव के पास पहुंची थी कि चालक को अचानक झपकी आ गई। इतने में कार पुलिया की रेलिंग से टकराई और खाई में पलट गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया। चारों की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद बांसगांव के भीटी तिवारी गांव में कोहराम मच गया। शादी वाले घर में मातम छा गया। घर में नई दुल्हन के स्वागत की भव्य तैयारी की गई थी, मौत की चंद्रमोल की मौत की सूचना मिलते सभी दहाड़ मारकर चीखने-चिल्लाने लगे।

सौरभ हत्याकांड: सिलाई कर रही मुस्कान

साहिल कर रहा खेती, जानें जेल में कमाए रुपयों से क्या करेंगे दोनों

मेरठ, एजेंसी। सौरभ की हत्या में जेल में बंद पत्नी मुस्कान रस्तोगी कपड़े सिलने का काम कर रही है, जबकि उसका प्रेमी साहिल खेती कर रहा है। मुस्कान सिलाई के रुपयों से मिलने वाले पैसे से अपना केस लड़ेगी। दोनों हत्यारोपियों की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। अब दोनों निजी वकील कर जमानत कराने के प्रयास में हैं। इंदिरानगर निवासी मुस्कान रस्तोगी ने तीन मार्च को अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। दोनों ने उसके शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला और ऊपर से सीमेंट का घोल भर दिया था। इसके बाद हिमाचल घूमने चले गए थे। वापस लौटने पर मुस्कान ने अपने परिवार को वारदात के बारे में जानकारी दी थी। परिवार ने ब्रह्मपुरी थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे प्रकरण की जानकारी दी थी। पुलिस ने मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया था। 19 मार्च को दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत

में जेल भेज दिया गया। मुस्कान की जब जेल में तबियत बिगड़ी तो उसका मेडिकल के गायनी वार्ड में अल्ट्रासाउंड कराया गया था, जिसमें उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई थी। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने इस मामले में साहिल और मुस्कान के खिलाफ चार्जशीट लगा दी थी। एएसपी ब्रह्मपुरी अंतरिक्ष जैन ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। अब इस मामले में कोर्ट में सुनवाई चल रही है। जेल में मुस्कान रामायण का पाठ कर रही है। इसके साथ ही उसने सिलाई भी सीख ली है। दरअसल जेल में कपड़ों और फुटबॉल की सिलाई की जाती है, जिससे बंदियों को काम मिलता है, जिसके बदले चेक के माध्यम से बंदियों को पैसे का भुगतान किया जाता है। मुस्कान अपने सरकारी अधिवक्ता के अलावा निजी वकील भी करना चाहती है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डा. वीरेश राज शर्मा ने बताया कि जेल में साहिल खेती कर रहा है, जबकि मुस्कान सिलाई कर रही है। वह जितना काम करेंगे, उसके हिसाब से भुगतान किया जाएगा।

फर्श पर बाबा साहब व महात्मा बुद्ध की तस्वीरें

आगरा, एजेंसी। दिल्ली गेट स्थित एक नर्सिंग होम की छत के फर्श पर डॉ. आंबेडकर और महात्मा बुद्ध की तस्वीरों वाले टाइल्स लगाने पर आजाद समाज पार्टी ने हंगामा किया। पुलिस से हाथापाई भी हुई। पांच कार्यकर्ताओं को थाने ले आने पर थाने में भी हंगामा हुआ। पुलिस ने तहरीर लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दिल्ली गेट स्थित सरकार नर्सिंग होम की छत पर बाबा साहब और महात्मा बुद्ध की तस्वीरों वाले टाइल्स लगाए गए थे। इस पर लोग गंदगी कर रहे थे। पता चलने पर आजाद समाज पार्टी के महानगर अध्यक्ष शानू मोहम्मद, विक्की आजाद, शशांक बौद्ध, आकाश, विनय, केशव, हैप्पी सहित दर्जनों कार्यकर्ता नर्सिंग होम में पहुंचकर हंगामा करने लगे। उनका कहना था कि साजिशन फर्श पर इन महापुरुषों की तस्वीरों

भड़के अनुयायी...सिपाही को वर्दी पकड़ खींचा

वाले टाइल्स लगाए गए हैं। कहासुनी बढ़ने पर हरीपर्वत थाने की पुलिस पहुंच गई। पुलिस और कार्यकर्ताओं में हाथापाई होने पर पुलिसकर्मी की वर्दी के बटन टूट गए। पुलिस ने पांच कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और उन्हें थाने ले आए। इसके बाद बसपा के जिलाध्यक्ष विमल कुमार, सविता, आमिर उस्मानी, श्याम प्रकाश बोधि समेत दर्जनों आंबेडकर अनुयायी थाने पहुंच गए। हंगामा बढ़ने पर अपर पुलिस आयुक्त रामबदन सिंह, एडीसीपी आदित्य, एसीपी हरीपर्वत विनायक भोंसले ने लोगों को समझाया। कई बार कार्यकर्ताओं से बहस हुई। अधिकारियों ने कहा कि ओछी हरकत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दो घंटे तक चली बहस- आंबेडकर अनुयायियों और पुलिस के बीच करीब दो घंटे तक बहस होती रही। आजाद समाज पार्टी के नेताओं का कहना था कि उनके कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने मारपीट की। पुलिस का कहना था कि कार्यकर्ताओं को समझाने पर वह पुलिस के साथ मारपीट पर उतारू हुए थे। बाद में आजाद समाज पार्टी की ओर से अस्पताल संचालक और वहां काम कर रहे सत्यप्रकाश नामक व्यक्ति के विरुद्ध तहरीर दी गई। देर शाम कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया गया।

सड़क हादसे में विधि के पूर्व छात्र की मौत, सिविल लाइंस में देर रात हुआ हादसा

प्रयागराज , एजेंसी। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हाईकोर्ट हनुमान मंदिर के पास शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक विधि पुराछात्र की मौत हो गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया। पुराछात्र की पहचान गौतम आनंद (25) निवासी लखीसराय, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। हादसे किस वाहन से हुआ इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम , शुभमन बने भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान, ऋषभ उपकप्तान

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के नये उपकप्तान होंगे। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए युवाओं पर भरोसा जताया है। इससे पहले माना जा रहा था कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी दी जाएगी। बुमराह के अलावा केएल राहुल भी कप्तानी के दावेदार थे। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने के बाद से ही माना जा रहा था कि भविष्य को देखते हुए बीसीसीआई शुभमन को कप्तान बनायगा और ये बात सही साबित हुई। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसका पहला मैच 20 जून से लीड्स क्रिकेट स्टेडियम में होगा। अगरकर ने कप्तान के नाम की घोषणा करते हुए कहा कि शुभमन टीम के कप्तान रहेंगे और ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बुमराह सभी मैच के लिए उपलब्ध रह पायेंगे। राहुल के बारे में अगरकर ने कहा कि राहुल ने पहले कप्तानी की, लेकिन तब मैं वहां नहीं था। हम उम्मीद करते हैं कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। बुमराह के लिए फिट गेंदबाज के रूप में रहना अधिक महत्वपूर्ण है उनपर कप्तानी का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता। अगरकर ने जोर देकर कहा कि कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय के लिए चुना जाता है। उन्होंने कहा कि आप कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं चुनते, बल्कि दीर्घकालिक योजना बनाते हैं। हमें उम्मीद है कि शुभमन समय के साथ सीखेंगे। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास को लेकर उन्होंने कहा कि विराट ने अप्रैल में ही अपनी संन्यास की योजना को लेकर जानकारी दे दी थी। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को

टीम में शामिल नहीं किये जाने को लेकर अगरकर ने कहा कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया है। हाल में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप को शामिल किया गया है।

इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम:-

13 जून: बेकेनहम में भारत बनाम इंडिया-ए

20 जून: लीड्स में भारत बनाम इंग्लैंड

2 जुलाई: बर्मिंघम में भारत बनाम इंग्लैंड

10 जुलाई: लॉर्ड्स में भारत बनाम इंग्लैंड

23 जुलाई: मैनचेस्टर में भारत बनाम इंग्लैंड

31 जुलाई: द ओवल में भारत बनाम इंग्लैंड

यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक हजार एकड़ में बनेगी उत्तर भारत की सबसे बड़ी इंटरनेशनल फिल्म सिटी

उत्तर प्रदेश में इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण हो सकता है जून में शुरू

तरुणमित्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेस-वे के निकट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण कार्य अगले माह जून में शुरू हो सकता है। निर्माण कार्य के लिए चयनित निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। जिस भूमि पर निर्माण होना है उसका जियो-टेक्निकल सर्वे लगभग पूर्ण हो चुका है और कंपनी आने वाले दो-तीन दिनों में अपना बिल्डिंग प्लान सबमिट कर देगी।

इसी बीच फिल्म सिटी के निर्माण के लिए भूमि को समतल करने का कार्य जारी है। साथ ही सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्य भी तेज गति से हो रहे हैं। साफ-सफाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। सभी अप्रूवल मिलते ही निर्माण कार्य का शुरू करा दिया जाएगा। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलो से कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी स्थापित की जा रही है। इसका उद्देश्य राज्य को फिल्म निर्माण, मीडिया, मनोरंजन और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के जीएम राजीव अरोड़ा के अनुसार जैसे ही बिल्डिंग प्लान को मंजूरी मिलती है, निर्माण कार्य औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण (फेज-1) में कंपनी 13 से 14 अत्याधुनिक फिल्म साउंड स्टूडियो और लगभग तीन लाख वर्ग मीटर में फैला फिल्म इंस्टीट्यूट स्थापित करेगी। इस पूरी परियोजना का निर्माण तीन चरणों में आठ वर्षों के भीतर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम ऐसी फिल्म सिटी बनाएंगे जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों को साकार करेगी। फिल्म सिटी का शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से समय निर्धारित करने की प्रक्रिया चल रही है। यूपी को नई ऊंचाइयों के साथ मिलेगा रोजगार सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक यीडा क्षेत्र में विकसित होने जा रही फिल्म सिटी के निर्माण को लेकर यीडा भी काफी उत्साहित है। भूमि अधिग्रहण से लेकर किसानों को मुआवजे तक की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है। यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश को एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करेगी, बल्कि राज्य में रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण और सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार में भी अहम भूमिका निभाएगी। योगी सरकार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश की छवि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

एक हजार एकड़ में बनेगी फिल्म सिटी : फिल्म सिटी परियोजना को यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्थित सेक्टर-21 में विकसित किया जा रहा है, जिसका कुल क्षेत्रफल एक हजार एकड़ है। परियोजना के पहले चरण (फेज-1) में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ है। सर्वाधिक 18 प्रतिशत ग्रॉस रेवेन्यू शेयर प्रस्ताव देकर हाईएस्ट बिडर के रूप में चयनित बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को लेटर ऑफ अवार्ड विगत वर्ष ही जारी किया जा चुका है। 27 जून 2024 को यीडा और कंसेशनायर प्रतिनिधि बोनी कपूर के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं, जिसके अनुरूप इसी साल 27 फरवरी को साइट का राइट ऑफ वे कंसेशनायर को हस्तांतरित कर दिया गया है। इस परियोजना के तहत फिल्म सिटी का मास्टर प्लान इसी साल 30 जनवरी को अनुमोदित किया गया। भविष्य में शेष 770 एकड़ भूमि पर फेज-2 और फेज-3 के अंतर्गत विस्तार किया जाएगा।

सरकार की विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं अपराधियों को दिला रहीं सजा

- **आठ वर्षों में 75 हजार से अधिक अपराधियों को साक्ष्य के आधार पर सलाखों के पीछे धकेला**
- **वर्तमान में प्रदेश में संचालित हैं 12 विधि विज्ञान प्रयोगशाला**

तरुणमित्र

लखनऊ। पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने 75 हजार से अधिक अपराधियों को साक्ष्यों के आधार पर कठोर सजा दिलायी है। वर्ष 2017 से पहले साक्ष्य के अभाव में दुर्दांत अपराधी और माफिया बरी हो जाते थे, अब अत्याधुनिक विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं से अभियोजन पक्ष को मजबूत आधार मिल रहा है, जिससे अपराधियों को सजा दिलाने में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। राज्य सरकार के पवक्ता ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले केवल चार विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं (लखनऊ, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद) थीं, जिससे सीमित जिलों को ही वैज्ञानिक परीक्षण की सुविधा मिल पाती थी। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस दिशा में तेजी से काम हुआ है। बीते आठ वर्षों में आठ नए जिले झांसी, कन्नौज, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ व मुरादाबाद में प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं, जिससे अब इनकी संख्या 12 हो गई है। इसके अलावा अयोध्या, बरेली, बांदा, आजमगढ़, मीरजापुर और सहारनपुर में 6 नई प्रयोगशालाओं की स्थापना दिशा में युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है, जो जल्द ही शुरू हो जाएंगी। वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में प्रयोगशालाओं द्वारा अधिक मामलों का निस्तारण किया गया, जिससे अभियोजन पक्ष को अपराधियों को सजा दिलाने में मजबूती मिली। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कई नये कीर्तिमान भी स्थापित किये हैं। इसके जरिये प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल आटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएएफआईएस) के तहत अंगुली छाप डाटाबेस को राज्य स्तर पर हाईस्पीड सर्वर से जोड़ा गया है। दिल्ली एनसीआरबी के अनुसार अंगुली छाप इनरोलमेंट में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक 4,14,473 अंगुली छापों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया जा चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि किस प्रकार प्रदेश ने अपराधियों के खिलाफ सबूत जुटाने और उनके डिजिटल रिकॉर्ड को एकत्र करने में तकनीकी दक्षता हासिल की है। इससे अभियानों में तेजी और अपराध नियंत्रण में स्पष्ट सफलता मिली है। एनएएफआईएस के संचालन के लिए सरकार ने केंद्र से समन्वय स्थापित कर एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया है। प्रदेश स्तर पर स्थापित सर्वर के जरिए सभी जिलों से वास्तविक समय में अंगुली छापों का विश्लेषण संभव हो रहा है। इसके लिए अधिकारियों व तकनीकी स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। वहीं, बॉयोलॉजिकल नमूनों के विश्लेषण के लिए नई तकनीकों को अपनाया गया है, जिनमें बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए-2023 के मानकों के अनुसार अनुसंधान किया जा रहा है।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी : टोटल स्टेशन तकनीकी से प्रदेशभर में हो रही पैमाइश, क्या भदोही यूपी में नहीं

खफा कोर्ट ने भदोही के डीएम और पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता को किया तलब

तरुणमित्र

भदोही। इलाहाबाद हाईकोर्ट में भदोही प्रशासन ने भूखंडों के सीमांकन में तकनीकी साधनों की कमी की दलील दोहराई। इस पर खफा कोर्ट ने अफसरों को फटकार लगाई। कहा, प्रदेशभर में टोटल स्टेशन तकनीकी के प्रयोग से पैमाइश हो रही है। भदोही में यह सुविधा नहीं, क्या भदोही यूपी के बाहर है? ये बहानेबाजी ही नहीं, अधिकारियों की विफलता की कहानी है, जो नहीं चलेगी। इस तल्ख टिप्पणी संग न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने प्रमुख सचिव राजस्व से मामले की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। मामला भदोही एक जमीन की पैमाइश का है। अनिल कुमार ने जनहित याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने टोटल स्टेशन तकनीकी से जमीन की पैमाइश के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग का गठन किया था। लेकिन, जांच के दौरान अफसरों ने सहयोग नहीं किया। खफा कोर्ट ने भदोही के डीएम और पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता को तलब किया था। लेकिन, उनकी ओर से दाखिल हलफनामों में दुबारा बताया कि उनके पास न टोटल स्टेशन मशीन है और न उसे चलाने वाला स्टाफ। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर कर मामले की जांच प्रमुख सचिव राजस्व की सौंप दी है।

थाना समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निवारण का प्रयास

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कोईरौना पर तथा अपर जिलाधिकारी द्वारा थाना ज्ञानपुर एवं उप जिलाधिकारी द्वारा थाना औराई पर उपस्थित रहकर सुनी गई फरियादियों की समस्याएं

तरुणमित्र

भदोही। फरियादियों को त्वरित न्याय की व्यवस्था हेतु प्रत्येक शनिवार को आयोजित "थाना समाधान व सम्पूर्ण समाधान दिवस" के क्रम में जनपद के समस्त थानों पर "थाना समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। शैलेष कुमार जिलाधिकारी भदोही व अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना कोईरौना पर तथा अपर जिला अधिकारी जनपद भदोही द्वारा थाना ज्ञानपुर पर एवं उप जिलाधिकारी औराई द्वारा थाना औराई पर उपस्थित रहकर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल के थानों एवं समस्त थाना प्रभारियों द्वारा सम्बंधित थानों पर प्रशासनिक टीम के साथ समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया व उनका निस्तारण राजस्व कर्मियों की उपस्थिति में किया गया। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए कुछ का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा कुछ प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान समस्त थानों पर प्राप्त कुल-97(राजस्व विभाग से सम्बंधित 89 व पुलिस-08) प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस विभाग से सम्बंधित सभी 08 व राजस्व विभाग से संबंधित 03 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन कर त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु व्यापक निर्देश दिए गए।

झांसी के चीफ इंजीनियर को तत्काल हटाये, मनमानी बर्दाश्त नहीं : ऊर्जा मंत्री

तरुणमित्र

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने डिस्कॉम के एमडी, डायरेक्टर टेक्निकल की आनलाइन बैठक में झांसी के चीफ इंजीनियर को कार्यों के प्रति उदासीनता एवं घोर लापरवाही पर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। ए.के.शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की 'उपभोक्ता देवो भवः' की मंशा के विपरीत कार्य करने वाले विद्युत् कार्मिकों की मनमानी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जो सरकार की मंशा के अनुरूप उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति नहीं दे पा रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसी भी फीडर में एक से अधिक बार शटडाउन न लिया जाए, फीडर से संबंधित जो भी कार्य कराना हो, एक ही बार में करा लिया जाए। बार-बार शटडाउन लेकर उपभोक्ताओं को परेशान न किया जाए। सीजी सिटी, लखनऊ विद्युत उपकेंद्र के निरीक्षण में एक ही दिन में 10 से अधिक बार शटडाउन लिया गया मिला है। तत्काल प्रभाव से इसकी जांच कराई जाये। एक शटडाउन टेंपरेरी कनेक्शन का पीडी करने के लिए दिया गया। निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिन फ़ीडरों में लोड अधिक है, उनका लोड परिवर्तित कर सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। बार-बार ट्रिपिंग एवं शटडाउन, लो वोल्टेज और अनावश्यक विद्युत कटौती अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि तेज आंधी, तूफान व बरसात के कारण तथा कुछ क्षेत्रों में पेड़ों के गिरने से विद्युत पोल एवं लाइन के क्षतिग्रस्त होने से विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई है। जिसे विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लगातार कार्य करते हुए अधिकांश क्षेत्रों की सप्लाई दुरुस्त कर दी है। जहां कार्य अधूरा है और विद्युत आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हुई, वहां पर युद्धस्तर पर लगकर कार्य कराये।

पांच साल से बंद स्वजल योजना : दर्जनों गांव में पेयजल संकट

सार्वजनिक जल स्रोत नहीं है, दुकानदार और राहगीर भी पानी की कमी से जूझ रहे

तरुणमित्र

भदोही। डीघ में जल निगम की स्वजल योजना पिछले 5 वर्षों से बंद है। मठहा में यह स्थिति योजना पहले दर्जनों गांवों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराती थी। मठहा, बारीपुर, डगरीया का बारी,बनिया के तारा, केवटाही, मनोहरपुर और कूढवां सहित कई गांव में पानी की गंभीर समस्या है। पाइपलाइन जगह-जगह से टूट चुकी है। गर्मी के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है। प्रयागराज, जौनपुर और वाराणसी को जोड़ने वाले मठहा चौराहे पर यात्रियों को पानी पीने की समस्या का सामना करना पड़ता है। यहां कोई सार्वजनिक जल स्रोत नहीं है, दुकानदार और राहगीर भी पानी की कमी से जूझ रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और जल निगम से योजना का पुनः शुरू करने की मांग की है जल निगम के अधिकारियों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत नई कार्ययोजना तैयार की जा रही है वे जल्द ही पेयजल आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दे रहे हैं।।

राज्य के पर्यटन विकास का मॉडल बना फिरोजाबाद का सामौर बाबा धाम

इस मॉडल को सबसे पहले नाथ कारिडोर और गोमती उद्गम स्थल पर किया जाएगा अमल

तरुणमित्र

लखनऊ। जनपद फिरोजाबाद के करहरा गांव में स्थित सामौर बाबा धाम का पर्यटन विकास पूरे राज्य के लिए मॉडल बन गया है। अब पर्यटकों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। सामौर बाबा धाम का भ्रमण करने के लिए क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। यह स्थान ग्राम करहरा सिरसागंज से पेगू मार्ग पर लगभग 03 किमी दूरी पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि यहां शिव दैवीय शक्ति वाली चमत्कारी मूर्तियां सैकड़ों वर्ष पूर्व स्वतः प्रकट हुई हैं। रिद्धि-सिद्धि चमत्कारी शक्तियों की अनेक घटनाएं चर्चा व किवंदतियों में सुनने को मिलती है। प्राचीन काल से ही यहाँ मोहर छठ एवं होली मेला लगता है। मेला में नव विवाहित दंपती विवाह की पगड़ी (मोहर) को विसर्जन हेतु यहां आते है तथा चिरंजीवी जीवन का आर्शीवाद प्राप्त करते है। स्थल पर अविरल गंगा (गंगा का जल नहर के माध्यम से) का प्रवाह पुनः प्रारम्भ हुआ जो सरोवर में जाता है। इस प्रकार सरोवर का जल सदैव स्वच्छ बना रहता है। सरोवर की सीढ़ियां एवं दोनों ओर स्थित गजीबो भी है, जो कि परिसर के आकर्षण बढ़ाते हैं। सरोवर में म्यूजिकल फाउटेन एवं नौकायन की सुविधा भी है। परिसर का विकास सुनियोजित ढंग से किया गया है। मुख्य मार्ग एवं ग्राम की तरफ से प्रवेश हेतु मुख्य द्वारों का निर्माण किया गया। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उक्त योजना का संचालन एवं कार्यों का रख-रखाव उच्च कोटि का है। हमारा प्रयास है कि राज्य के अन्य गंतव्यस्थलों पर भी यह माडल लागू हो। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को भ्रमण के लिए सामौर बाबा धाम भेजा जा रहा है। इस स्थल पर सत्संग हॉल का निर्माण, सुलभ प्रसाधन का निर्माण, शॉप का निर्माण, पँहुच मार्ग का निर्माण, स्टोर बैंच, स्टोन डस्टविन, मन्दिर परिसर में रेड स्टोन से फर्श का निर्माण, पार्क/चिल्ड्रन प्ले ग्राउण्ड, कुंड का सुदढ़ीकरण कराया जाएगा।

मानसून के दौरान भी जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे पर्यटक

भीरा एवं मोहम्मदी में ईको टूरिज्म की नई संभावनाएं की जा रही विकसित

तरुणमित्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक वन एवं वन्य जीव विभाग उत्तर प्रदेश को इको टूरिज्म के हब के तौर पर विकसित कर रहा है। वन एवं वन्य जीव विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि विभाग प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता को संरक्षित करते हुए बफर में सफर योजना शुरू की जा रही है। जिसके तहत प्रदेश के टाइगर रिजर्वों में नये सफारी रूटों के साथ भीरा और मोहम्मदी जैसे क्षेत्रों में ईको टूरिज्म की नई संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय लोगों को गाइड, रेस्टोरेंट संचालक के रूप में प्रशिक्षित कर स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इन प्रयासों का परिणाम है कि यूपी में पिछले वर्षों में ईको टूरिज्म के पर्यटकों की संख्या में भी तीव्र वृद्धि हुई है। सीएम योगी के विजन के अनुसार उत्तर प्रदेश को ईको टूरिज्म के हब के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने मानसून के दौरान "बफर में सफर" योजना शुरू करने जा रही है। प्रदेश के टाइगर रिजर्वों के बफर जोन में सफारी के नये रूटों को विकसित किया जा रहा है। इस योजना के तहत दुधवा, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, और उत्तर खीरी बफर जोन में नए सफारी रूट विकसित किए जा रहे हैं। इसके तहत सोहागीबरवा, उत्तर खीरी और पीलीभीत में बफर जोन क्षेत्रों के नए मार्गों का चयन किया गया है। इन बफर जोन में पर्यटक बरसात के दिनों में भी सफारी का आनंद ले सकेंगे। साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टाईगर रिजर्वों को अधिक दिन खोलने की भी व्यवस्था की जा रही है। बफर में सफर योजना का सबसे बड़ा लाभ मानव और वन्य जीवों के संघर्ष में कमी लाते हुए पर्यटकों को जंगल के रोमांच अनुभव प्रदान करना है। वन एवं वन्य जीव विभाग प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए टाइगर रिजर्व और अभ्यारण्यों के अतिरिक्त अन्य नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। इस दिशा में लखीमपुर खीरी के भीर और मोहम्मदी के क्षेत्रों को भी ईको टूरिज्म के स्पाट के तौर पर विकसित किया जा रहा है। दक्षिणी खीरी के गोला, मोहम्मदी रेंज और भीर में टूरिस्ट सर्किट का निर्माण किया गया है। साथ ही इस क्षेत्र में पड़ने वाली सेमराई झील, जो पक्षियों के प्रवास के लिए प्रसिद्ध है, इसको भी सर्किट में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शामिल किया जाएगा। नेपाल सीमा से सटे हुए कर्तनिया घाट के बफर जोन में भी जंगल सफारी की शुरुवात की गई है।

बेटियों की कहानियां समाधान बन गयीं, चार विद्यालयों को मिलेगा राज्यस्तरीय सम्मान

तरुणमित्र

लखनऊ। जब बेटियों की कहानियां केवल कल्पना नहीं, समाधान का मार्ग बन जाएं, तब वे समाज की चेतना को स्वर देने लगती हैं। उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कहानी प्रतियोगिता के लिए चार केजीबीवी की छात्राओं की कहानियाँ श्रेष्ठतम के रूप में चयनित हुई हैं। बेटियों की इन रचनाओं में पर्यावरणीय चिंता, समाधान की सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला है। चयनित विद्यालयों को राज्य स्तर पर शीघ्र ही सम्मानित किया जाएगा, जो न केवल इन बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगा बल्कि शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल भी स्थापित करेगा। इस राज्यव्यापी कहानी लेखन प्रतियोगिता में 580 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। मूल्यांकन के बाद 18 श्रेष्ठ कहानियां चयनित की गईं, जिनमें से चार विद्यालयों को राज्य स्तरीय शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इन विद्यालयों में प्रथम पुरस्कार के लिए केजीबीवी मुरादनगर गाज़ियाबाद, द्वितीय पुरस्कार के लिए केजीबीवी गौंरा कानपुर देहात, तृतीय पुरस्कार के लिए केजीबीवी मुफ्तीगंज जौनपुर और चतुर्थ पुरस्कार के लिए केजीबीवी देवा बाराबंकी शामिल हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि "पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा अब केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। बच्चों की कल्पनाशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से उन्हें इस दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। ऐसे आयोजन न केवल उनकी सोच को विस्तार देते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में भी मार्गदर्शन करते हैं।" दरअसल, प्रदेश के सभी उच्च प्राथमिक और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में मीना मंच के ज़रिये किशोरियों में जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, पोषण और जीवन कौशल पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 28 सितम्बर 2024 से आयोजित ऑनलाइन जागरूकता सत्रों की श्रृंखला 15 फ़रवरी 2025 को पूरी हुई। इस दौरान डॉ. अनीता भटनागर जैन (सेवानिवृत्त आईएएस) के मार्गदर्शन में हुए हुए विभिन्न संवादों ने छात्राओं को विषयगत शोध, चर्चा और रचनात्मक टास्क के माध्यम से लिखने के लिए प्रेरित किया। कहानियों में बालिकाओं ने पर्यावरणीय समस्या, समाधान और संवेदना के स्वर के साथ अपनी कल्पना, रचनात्मकता और पर्यावरणीय चेतना के रंगों से भविष्य की धरती का चित्र खींचा है। प्रदेश भर से कुल 580 से अधिक कहानियां प्राप्त हुईं, जिनका विशेषज्ञों के एक पैनल ने मूल्यांकन किया। अंतिम रूप से 18 उत्कृष्ट कहानियां चयनित की गईं।

बारिश से बचाव के लिए ताडपत्री और प्लास्टिक पेपर की मांग बढ़ी

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। जून से सुरु होनेवाला मानसून इस वर्ष मई में ही हाजिरी लगाया है. हालांकि इस साल मानसून जून में आने की उम्मीद है, लेकिन मई में शुरू हुई बेमौसम भारी बारिश के कारण, घरों, गोदामों और दुकानों के बाहर सामान को बारिश से बचाने के लिए आवश्यक ताडपत्री और प्लास्टिक पेपर की मांग नवी मुंबईकरों के बीच बढ़ गई है. शहर के बाजारों के साथ-साथ तुर्भे स्थित जनता मार्केट और कृषि उत्पन्न बाजार समिति परिसर की दुकानों पर पानी का कपड़ा, ताडपत्री, प्लास्टिक पीला, नीला और काला कागज खरीदने वाले ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है. जैसे-जैसे ताडपत्री और प्लास्टिक की मांग बढ़ी है, वैसे-वैसे उनकी कीमतें भी बढ़ी हैं. गरीब से लेकर उच्च वर्गों तक, ताडपत्री मानसून के मौसम में झोपड़ियों से लेकर टावरों तक की इमारतों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वर्तमान में बाजार में ताडपत्री और प्लास्टिक की मांग बढ़ गई है. जिसके कारण बाजार में काले ताडपत्री की मांग अधिक होने की जानकारी बिक्रताओ ने दी।

बारिश आने से पहले ही शहर के अमीर से लेकर गरीब तक सभी वर्ग के लोगों ने ताडपत्री और प्लास्टिक शीट खरीदना शुरू कर दिया है तथा ऊंची बस्तियों में अपने घरों और गगनचुंबी इमारतों की छतों की मरम्मत करवानी शुरू कर दी है. इसलिए प्लास्टिक की मांग काफी बढ़ गई है. इसमें व्यापारी खरीदारों की मनचाही साइज में ताडपत्री और प्लास्टिक पेपर की मांग भी पूरी कर रहे हैं. शहर के पूर्वी भाग में औद्योगिक क्षेत्रों में छोटे उद्यमियों से ताडपत्री और प्लास्टिक कपड़ा बड़ी मात्रा में खरीदा जाता है. औद्योगिक क्षेत्रों में मिठाई की कई दुकानें हैं. हालांकि कई स्थानों पर शेड नहीं हैं, इसलिए बरसात के मौसम में जल्दी खराब होने वाले सामान के खराब होने की संभावना अधिक होती है, इसलिए उन्हें बारिश के पानी से बचाने के लिए ताडपत्री और प्लास्टिक पेपर का उपयोग किया जाता है. इसके अलावा, नवी मुंबई में दीघा और बेलापुर के बीच ठाणे-बेलापुर राजमार्ग के पूर्वी किनारे पर स्थित 40 से अधिक छोटी-बड़ी झुग्गियों में बरसात के मौसम में बड़ी संख्या में इनकी खरीदारी की जाती है. इसलिए, शहर के तुर्भे जनता मार्केट और प्याज आलू मार्केट के पास कुछ दुकानों के बाहर ग्राहकों को बारिश के मौसम के लिए ताडपत्री और प्लास्टिक शीट खरीदने के लिए भीड़ लगाते देखा जा सकता है।

15 से लेकर 130 रुपये मीटर का भाव : नवी मुंबई के स्लम क्षेत्रों से काले रंग के प्लास्टिक की अधिक मांग है, जबकि शहर की सोसायटियों, टावरों आदि से नीले और सिल्वर रंग के ताडपत्री की अधिक मांग है. दो प्रकार में उपलब्ध लेमिनेशन रोल और लेमिनेशन शीट की कीमत 15 से 25 रुपए तक है. 700 रुपये प्रति पीस 1100 प्रति पीस (12 बाय 15). विक्रेता का कहना है कि शहर के नागरिकों की ओर से लेमिनेशन रोल और लेमिनेशन ताडपत्री की मांग काफी अधिक है. इसी में काले ताडपत्री की मांग सबसे अधिक है, जो कि 70 रुपये और 90 रुपये प्रति मीटर में बिकता है, जबकि अच्छी गुणवत्ता वाले केबल काले ताडपत्री सबसे महंगे हैं और बाजार में 120 रुपये से 150 रुपये प्रति मीटर में बिकते हैं. फिर नीला, पीला और हरा ताडपत्री 70 रुपये से 130 रुपये प्रति मीटर बिकता है. विक्रेता अमित कुमार सिंह ने बताया कि विशेष रूप से निर्माण क्षेत्र से जुड़े पेशेवर लोग अपने सामान को बारिश से बचाने के लिए ताडपत्री और प्लास्टिक शीट खरीद रहे हैं।

कब्रिस्तान की जगह पर अवैध निर्माण, तत्काल कार्रवाई की विधायक प्रशांत ठाकुर की मांग

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। खारघर सेक्टर 14 में कब्रिस्तान के लिए उपलब्ध कराई गई जमीन का मस्जिद और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के लिए अवैध उपयोग करने तथा वहां बड़े पैमाने पर किए गए अनधिकृत निर्माण के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग विधायक प्रशांत ठाकुर ने किये है. इस संबंध में विधायक ठाकुर ने नवी मुंबई पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे को एक निवेदन सौंपे है. इस दौरान विधायक प्रशांत ठाकुर के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष अविनाश कोली, जिल्ला सचिव ब्रिजेश पटेल, खारघर मंडल अध्यक्ष प्रवीण पाटिल, युवा मोर्चा खारघर अध्यक्ष नीतेश पाटिल, विश्व हिंदू परिषद के प्रसन्न धर्माधिकारी, कृष्णा बांदेकर, हिंदू जागरण मंच के शिवम सिंह, गायत्री खडवडकर, आदित्य कांबले, शैलेन्द्र त्रिपाठी आदि उपस्थित थे। विधायक प्रशांत ठाकुर ने दिए गए निवेदन में कहा है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र के खारघर सेक्टर 14 की जमीन सिडको द्वारा कब्रिस्तान के लिए आरक्षित की गई है, लेकिन उक्त भूमि का जानबूझकर मस्जिद के रूप में उपयोग करते देखा जा रहा है. इसके अलावा इस स्थान पर नियमित रूप से बड़े पैमाने पर प्रार्थना एंव अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. यह सरासर ग़लत और अपमानजनक है. इस प्रकार की घटनाओं से क्षेत्र में सामाजिक सदभाव को खतरा पैदा होता दिखाई दे रहा है। **आसपास के क्षेत्र के नागरिकों में रोष** ये सारी चीजें जानबूझकर की जा रही हैं, जबकि इस क्षेत्र में कोई मुस्लिम आबादी नहीं है. मुस्लिम समुदाय जानबूझकर इस कब्रिस्तान को कब्रिस्तान मस्जिद कहता है तथा उस समुदाय के लोगों को यहां नमाज अदा करने तथा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आमंत्रित करते देखा जा रहा है. इस जमीन पर बिना किसी अनुमति के, भारी लागत से, बड़े पैमाने पर प्रार्थना कक्ष और शौचालय का निर्माण किया गया है. ग्रेनाइट और संगमरमर का उपयोग किया गया है. जब यह सब अनधिकृत निर्माण होने के बावजूद न तो सिडको और न ही पुलिस प्रशासन इसपर कोई कार्रवाई करते नही दिखाई दे रही है जो कि आश्चर्य और क्रोध की बात है, ऐसा भी विधायक प्रशांत ठाकुर ने पत्र में कहा है। **शिकायत के बावजूद नही होती करवाई** पत्र में बताया गया है कि खारघर इलाके में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जहां इस समुदाय के एक इज्तिमा कार्यक्रम के बाद एक हिंदू भाई की हत्या कर दी गई. इसके बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया और सामाजिक स्थिति पूरी तरह से बिगड़ गई. इस घटना के कारण दोनों समुदायों के बीच भारी मतभेद पैदा हो गया और दंगे जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी. उस समय स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अथक प्रयास करना पड़ा था. इसी प्रकार, सेक्टर 14 में कब्रीस्तान की भूमि का उपयोग अब बिना किसी बाधा के अवैध रूप से मस्जिद और धार्मिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है. इसको लेकर अन्य समुदायों में भारी रोष है और यह खेदजनक है कि स्थानीय अधिकारियों और नागरिकों द्वारा बार-बार अवगत कराने के बावजूद प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

एनसीपी-शरद चंद्र पवार पार्टी की नियुक्तियों की घोषणा सदस्य पंजीकरण अभियान चलाएंगे : सुहास देसाई

तरुणमित्र / सारा पुरी

ठाणे – राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शरद चंद्र पवार, डॉ. जितेंद्र आव्हाड के आदेशानुसार पार्टी के विस्तार के क्रम में ठाणे शहर में विभिन्न प्रकोष्ठों की नियुक्तियां हाल ही में जिला अध्यक्ष सुहास देसाई और कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल द्वारा घोषित की गई। देसाई और पाटिल ने सभी नवनियुक्त सेल अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस बीच, सुहास देसाई ने कहा कि पार्टी को बढ़ाने के लिए ठाणे शहर में सदस्य पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा। विधायक दल के नेता तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शरदचंद्र पवार, विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड के आदेश तथा मार्गदर्शन में तथा ठाणे जिला अध्यक्ष सुहास देसाई तथा ठाणे जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल के नेतृत्व में संजीव दत्ता को व्यापारी सेल के ठाणे जिला अध्यक्ष, विक्रम सिंह को हॉकर्स सेल के ठाणे जिला कार्यअध्यक्ष, मनीषा म्हात्रे, ठाणे जिला कार्यकारी अध्यक्ष, आशीष शर्मा को सोशल मीडिया सेल तथा डॉ. सुभाष यादव, वरिष्ठ नागरिक सेल ठाणे अध्यक्ष दिलीप नाईक, वरिष्ठ सेल ठाणे जिला कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप लोखंडे, असंगठित कामगार सेल के ठाणे अध्यक्ष राजू यशवंत चपले, असंगठित कामगार से के ठाणे जिला कार्यकारी अध्यक्ष सुनील गुरव, सहकारिता सेल के अध्यक्ष नारायण उटेकर, विधिक सेल के ठाणे अध्यक्ष विनोद उटेकर, सिख समाज सेल के अध्यक्ष जगत सिंह परोचे, वाल्मीक समाज से के अध्यक्ष हरिवंश चौहान, वाल्मीक समाज सेल के ठाणे जिला कार्यकारी अध्यक्ष हरिओम चौटेला, पुस्तकालय सेल के अध्यक्ष वर्षा साबले को नियुक्त किया गया, इन सभी को सुहास देसाई और प्रकाश पाटिल के हाथों नियुक्ति पत्र दिया। डॉ. जितेंद्र आव्हाड के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार पार्टी ठाणे शहर में पूरी ताकत के साथ ठाणे महानगर पालिका चुनाव लड़ेगी। ठाणे के लोगों में सत्ताधारी वर्ग के प्रति असंतोष है। हम ठाणे की जनता को सक्षम विकल्प उपलब्ध कराएंगे और इसके लिए जनता के मन में विचार फैलाएंगे। सुहास देसाई ने कहा कि इसके अलावा सक्रिय कार्यकर्ताओं की सूची भी बनाई जाएगी। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव मकसूद खान, महाराष्ट्र प्रदेश युवा महासचिव राजेश कदम, जिला महासचिव राजेश जे साटम, एकनाथ जाधव, रिंकू सिंह, कैलास सुरकर, संदीप यादव, धर्मेंद्र अस्थाना, इकबाल शेख, संजय कांबली, शिवा कालू सिंह, वैभव खोत, सुरेश सिंह, अंकुश माधवी, साधन माने, पद्माकर पाटिल, कुणाल कुडके, केतन जेधे, राहुल पाटिल, जयेश पाटिल सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा ताई गायकवाड़ ने कुर्ला इलाके का किया दौरा

तरुणमित्र / रामकुमार मधुकर

मुंबईः बरसात का मौसम आ गया है। लेकिन मुंबई उपनगर के अनेक इलाकों में आज भी बड़े नालों की साफ सफाई नहीं हो पाई है। इसके अलावा अनेक जगहों पर शुरु सड़कों का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष और सांसद वर्षा ताई गायकवाड़ ने शनिवार की सुबह कुर्ला के वत्सलाताई नगर, श्रमजीवी नगर, कुर्ला सिग्नल और यहां के आसपास के नालों की साफ सफाई का निरीक्षण किया। इसके अलावा कुर्ला के भाभा अस्पताल में जाकर वहां के मरीजों से प्रत्यक्ष मुलाकात की। वर्षा ताई गायकवाड़ के साथ इस दौरे में उत्तर मध्य मुम्बई जिला कांग्रेस के कार्याध्यक्ष सुभाष भालेराव और बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।मुंबई में बरसात का मौसम आ गया है। मुंबई मनपा द्वारा एक माह पहले से ही उपनगर के नालों की सफाई किए जाने का दावा किया जा रहा था। लेकिन हाल ही में हुई बरसात के कारण जगह जगह हुए जलजमाव ने मनपा के दावों की पोल खोल दी। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा ताई गायकवाड़ ने अपने संसदीय क्षेत्र के कुर्ला विधानसभा के अंतर्गत आने वाले वत्सला ताई नाइक नगर, श्रमजीवी नगर, कुर्ला सिग्नल और यहां के बड़े नालों की साफ सफाई का निरीक्षण किया। इसके अलावा कुर्ला भाभा अस्पताल में बीमार मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर अस्पताल में व्याप्त दुर्व्यवस्था को सुना। बताया जाता है कि बड़ी संख्या में डायरिया से पीड़ित मरीज यहां इस समय भर्ती हैं। अस्पताल में कर्मचारियों से लेकर डॉक्टर की कमी का सामना मरीजों को करना पड़ रहा है। वर्षा ताई गायकवाड़ के साथ इस दौरे में उत्तर मध्य मुंबई जिला कांग्रेस के कार्याध्यक्ष सुभाष भालेराव और बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान वर्षा ताई गायकवाड़ ने कुर्ला टर्मिनस के समीप स्थित साबले नगर और क्रांति नगर के निवासियों की समस्या भी सुनी।

सब्जी विक्रेता अशरफ की दो दिन बाद मौत, मौत के बाद बंद रहा बाजार, परिजनों और दोस्तों में तीव्र आक्रोश

तरुणमित्र / ब्यूरो

मुंब्रा । अमृतनगर दरगाह रोड पर हुए हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए सब्जी विक्रेता अशरफ सैयद की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। 20 मई की रात 10 बजे के दरम्यान 5 से 7 लोगों ने धारदार हथियारों से हमला किया था। जिसमें गंभीर रूप से घायल हुए अशरफ सैयद को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

2 दिन तक अस्पताल में इलाज चलने के बाद 22 मई को अशरफ ने दम तोड़ दिया। जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।स्थानीय लोगों में हमले को लेकर आक्रोश व्याप्त हो गया है।

मुंब्रा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और 3 हमलावरों को हिरासत में ले लिया है। परिवार और स्थानीय नागरिक मांग कर रहे हैं कि आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दी जाए। इस घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि कुछ स्थानीय युवक अशरफ से पैसे की मांग कर रहे थे।

मामला बढ़ गया और उन्होंने रात 10 बजे एक बार फिर अमृत नगर के दरगाह गेट पर अशरफ और उसके दोस्त को रोक लिया। बहस के बाद हमलावरों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जिसमें अशरफ गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्तों ने तुरंत नजदीकी मनपा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे कलवा स्थित शिवाजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन इलाज के दौरान 2 दिन बाद अशरफ की दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गई। आगे की जांच पुलिस निरीक्षक संजय दवने कर रहे है।

विवाद करने पर मज़दूर को चाकू मारकर किया घायल, आरोपी पर केस

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडीः मामूली विवाद करने पर एक मज़दूर की गंभीर रूप से घायल होने की घटना सामने आई है। यह घटना भिवंडी के बाबला कंपाउंड इलाके में 21 मई को घटी। मौला सत्तार शेख (33) नामक मज़दूर ने अपने परिचित युवक के साथ मज़ाक किया, जिससे नाराज़ होकर उस युवक ने पहले मौला को गाली दी और फिर मौला ने उसे थप्पड़ मार दिया। इस बात से गुस्साए युवक ने मौला पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना भेल पुरी की एक गाड़ी के पास हुई। और हाथापाई के बाद अचानक हुए चाकू हमले से पूरे परिसर में खलबली मच गई। घायल मौला को तात्काल उपचार हेतु हॉपिटल में भर्ती किया गया है। शांतीनगर पुलिस स्टेशन में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि दोनों एक-दूसरे को पहले से जानते थे।

घनसोली के पास सर्विस रोड पर ठेकेदार की मनमानी का आरोप

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। मनपा के अनुमती के बिना ही अवैध तरीके से ठाणे-बेलापुर मार्ग के घनसोली के पास सर्विस रोड पर रात के समय चोरी-छिपे फाइबर केबल डालने का काम किये जाने का मामला सामने आया है. दिलचस्प बात यह है कि इस ओर नवी मुंबई मनपा के अधिकारियों का ध्यान नहीं होने का आरोप स्थानीय नागरिकों द्वारा किया जा रहा है. यह पूरा काम रात में गुप्त रूप से किये जाने से ठेकेदार अवैध रूप से काम करने का संदेह नागरिको द्वारा जताया जा रहा है. इससे सड़क को नुकसान पहुंचने के साथ ही यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है. स्थानीय लोगों ने मांग की है कि मनपा प्रशासन तुरंत जांच कर उचित कार्रवाई करे. नागरिकों का कहना है कि बिना अनुमति काम करने वाले ठेकेदारों के साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाए।

ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने शुक्रवार को विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक में मनपा क्षेत्र में कोरोना मरीजों की स्थिति का जायजा लिया

21 वर्षीय युवक की कोरोना वायरस से मौत मधुमेह की बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था

तरुणमित्र / युसुफ पुरी

ठाणेः ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में कोरोना वायरस के फिर से सामने आने के बीच शनिवार सुबह पता चला कि एक 21 वर्षीय युवक की कोरोना वायरस से मौत हो गई। युवक को मधुमेह की बीमारी के कारण इलाज के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में पिछले 3 दिनों में 10 कोरोना वायरस मरीज पाए गए हैं। इन मरीजों में कोरोना वायरस के हल्के लक्षण हैं और इनका इलाज घर पर ही किया जा रहा है। ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में कोरोना वायरस फिर से उभर आया है। कोरोना मरीजों का पता लगने का सिलसिला शुरू होने के मद्देनजर ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने शुक्रवार को विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक में मनपा क्षेत्र में कोरोना मरीजों की स्थिति का जायजा लिया। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मनपा स्वास्थ्य विभाग और सभी अस्पतालों को कोरोना मरीजों की जांच के लिए सतर्क रहने का निर्देश दिया था। इसके अलावा, कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक विशेष कक्ष स्थापित किया गया है। मुंब्रा इलाके में रहने वाले 21 वर्षीय

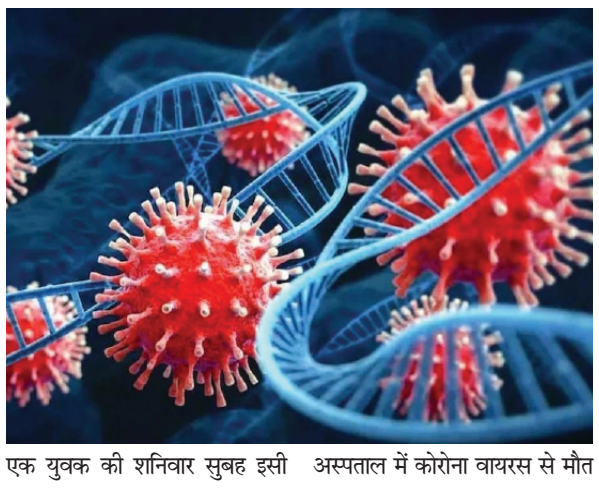

एक युवक की शनिवार सुबह इसी अस्पताल में कोरोना वायरस से मौत हो गई। ठाणे महानगर पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने पुष्टि की कि युवक को मधुमेह के कारण इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इस युवक को 7 वर्ष की उम्र से ही मधुमेह था।

मधुमेह और एसिडोसिस की जटिलताओं के कारण उपचार के लिए भर्ती कराए गए इस युवक के फेफड़ों में संक्रमण हो गया था। इसलिए उनका कोरोना वायरस का परीक्षण किया गया। कलवा में महानगर पालिका के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिरुद्ध मालगांवकर ने कहा। इस युवक को मधुमेह था। युवक को टाइप वन डायबिटीज और एसिडोसिस की जटिलताओं के कारण गुरुवार को कलवा स्थित महानगर पालिका के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी बिगड़ती हालत के कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में ले जाया गया और वेंटिलेटर पर रखा गया। शुक्रवार को उनका कोरोना वायरस परीक्षण भी किया गया। परीक्षण रिपोर्ट शुक्रवार रात को आई। पता चला कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित था। डॉ. राकेश बारोट ने बताया कि शनिवार सुबह उन्हें अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

भिवंडी शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर, स्वच्छता अभियान ठप्प

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडीः शहर में कचरा समस्या गंभीर होती जा रही है। खुदे हुए रस्तों और निष्क्रिय स्वच्छता व्यवस्थापन के कारण शहर के अनेक भागों में कचरे के ढेर जमा हो गए हैं, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महानगरपालिका आयुक्त अनमोल सागर ने पदभार स्वीकारते समय सार्वजनिक स्वच्छता, नालियों की सफाई, भीड़भाड़ वाले इलाकों में दिन में दो बार सफाई और सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए थे। इसके तहत कुछ दिनों तक रात में बाजार परिसर और मुख्य सड़कों पर सफाई होती भी नजर आई। लेकिन अब यह मुहिम ठप्प पड़ी हुई दिख रही है। सफाई कर्मचारियों की अनियमितता और लापरवाही के चलते शहर में फिर से कचरे का ढेर जमा होने लगा है। मौसम में हो रही असमय बारिश के कारण यह कचरा सड़ रहा है और इससे उठने वाली दुर्गंध नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रही है। स्थानीय नागरिकों ने मनपा प्रशासन से तुरंत उपाययोजना करने की मांग की है।

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्रकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबाः 09415287970, 7400223777, 9892789606, कार्यकारी संपादक - शेष नारायण त्रिपाठी
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।